मंगलवार 20 मई 2025
सुर्योदय प्रात: 05:29 बजे
सूर्यास्त सांय 19:08 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 अब चीन से आयात नियंत्रण जरूरी

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 16 | अंक : 214 | गाजियाबाद, मंगलवार 20 मई 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

कर्नल सोफिया पर विजय शाह के बयान की एसआईटी करेगी जांच

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 'आपरेशन सिंदूर से जुड़ी कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोपी मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री विजय शाह को कड़ी फटकार लगाई। शीर्ष अदालत ने टिप्पणियों को 'शर्मनाक बताते हुए शाह की माफी अस्वीकार कर दी। अदालत ने शाह के खिलाफ दर्ज मुकदमे की जांच को 3 सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने का भी आदेश दिया। जस्टिस सूर्यकांत और एन. कोटिस्वर सिंह की पीठ ने मध्य प्रदेश के पुलिस महानिदेशक को मंगलवार सुबह 10 बजे तक एसआईटी गठित करने का आदेश देने के साथ ही, मंत्री विजय शाह की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी। जस्टिस सूर्यकांत ने भाजपा नेता शाह की ओर से पेश अधिवक्ता मनिंदर सिंह से कहा कि आपके मुवक्किल ने किसी तरह की माफी मांगी है? हमने दोनों वीडियो देखे हैं, टिप्पणियों वाली और माफी वाली। उन्होंने कहा कि माफी का भी एक मतलब होता है, कभी-कभी लोग सिर्फ दिखावे की माफी मांगते हैं ताकि वे कार्रवाई से बच निकलें और कभी 'मगरमच्छ के आंसू भी होते हैं। शीर्ष अदालत ने सिंह से पूछा कि आपके मुवक्किल की माफी कौन सी है, मगरमच्छ के आंसू हैं या कानूनी कार्यवाही से बचने का प्रयास।

जस्टिस वर्मा पर केस दर्ज करने की अर्जी पर सुनवाई कल

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के खिलाफ नकदी बरामदगी मामले में प्राथमिकी दर्ज करने के अनुरोध वाली याचिका पर कल सुनवाई कर सकता है। मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने वकील और याचिकाकर्ता मैथ्यूज नेदुम्परा की दलीलों पर गौर करते हुए कहा कि अगर (याचिका में) खामियों को दूर कर दिया जाता है तो इसे कल सूचीबद्ध कर सकते हैं। नेदुम्परा ने कहा कि अगर याचिका में कोई खामी है तो वह उसे दूर करेंगे। उन्होंने पीठ से आग्रह किया कि इसे बुधवार को सूचीबद्ध किया जाए क्योंकि वह मंगलवार को उपलब्ध नहीं हैं। पीठ ने खामियों को दूर करने की शर्त पर इसे बुधवार को सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई।

ट्रेकोमा के उन्मूलन के लिए भारत सम्मानित

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। विश्व स्वास्थ्य संगठन(डब्ल्यूएचओ) ने भारत को आंखों की बीमारी 'ट्रेकोमा' के उन्मूलन के लिए मान्यता प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की जेनेवा 78 वीं बैठक में डब्ल्यूएचओके महानिदेशक डा घेब्रेयस टेड्रोस ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की सचिव पुण्य सलिला श्रीवाश्तव को 'ट्रेकोमा उन्मूलन प्रमाणपत्र' प्रदान किया। भारत को यह प्रमाण पत्र जन स्वास्थ्य की समस्याओं के निवारण के लिए प्रदान किया गया है। मंत्रालय ने कहा कि यह प्रमाणपत्र बीमारी उन्मूलन, स्वास्थ्य देखभाल और सबके लिए स्वास्थ्य के सतत प्रयासों का प्रतीक है।

ट्रेन टिकटों पर ऑपरेशन सिंदूर मोदी की फोटो छापना शर्मनाक : कांग्रेस

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। कांग्रेस ने कहा है कि सरकार संवेदनशील मुद्दों को भी प्रचार के रूप में इश्तेमाल कर रही है और इसी का परिणाम है कि रेल टिकटों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ऑपरेशन सिंदूर की फोटो लगाई जा रही है। कांग्रेस ने कहा "ट्रेन के टिकट पर 'ऑपरेशन सिंदूर' और नरेंद्र मोदी की फोटो छापी जा रही है। 'ऑपरेशन सिंदूर'-आतंक के खिलाफ भारत का करारा जवाब था। हमारे जांबाज सैनिकों के शौर्य और पराक्रम की गाथा थी। लेकिन मोदी सरकार ऐसे संवेदनशील मुद्दे पर भी प्रचार करने से बाज नहीं आ रही है।"

भारत कोई धर्मशाला नहीं, जहां दुनिया भर के शरणार्थी घुस आएं

● सुप्रीम कोर्ट ने दिखाया आईना, कहा-हम खुद 140 करोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत कोई धर्मशाला नहीं है, जहां दुनिया भर से शरणार्थी आएं और बसते चले जाएं। सुप्रीम कोर्ट ने एक श्रीलंकाई तमिल की याचिका को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। जस्टिस दीपांकर दत्ता ने कहा कि हमारी तो अपनी ही आबादी 140 करोड़ से ज्यादा है। ऐसे में क्या भारत दुनिया भर के शरणार्थियों का अपने यहां स्वागत कर सकता है। यह कोई धर्मशाला तो नहीं है, जहां हम दुनिया भर से आए लोगों का स्वागत करें। इसके साथ ही उन्होंने श्रीलंकाई तमिल शख्स को हिरासत में लिए जाने के मामले में दखल से इनकार कर दिया। श्रीलंकाई तमिल शख्स ने खुद को हिरासत में लिए जाने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की थी, जिसमें दखल से शीर्ष अदालत ने साफ इनकार कर दिया। जस्टिस दीपांकर दत्ता के नेतृत्व वाली बेंच में जस्टिस के. विनोद चंद्रन भी शामिल थे। श्रीलंकाई तमिल ने मद्रास हाई कोर्ट के उस फैसले के खिलाफ अर्जी दाखिल की थी, जिसमें कहा गया था कि अपनी 7 साल की सजा पूरी होने के तुरंत बाद वह देश से निकल जाए। शख्स को एक केस में 7 साल कैद की सजा मिली थी। लेकिन

श्रीलंकाई तमिल ने सजा पूरी होने के बाद भारत में ही रहने की इच्छा जाहिर की। उसके वकील ने अदालत से कहा कि मेरा मुवक्किल वीजा लेकर भारत आया था। अब यदि वह अपने देश वापस गया तो फिर उसकी जान को खतरा होगा।

रोहिंग्या रिफ्यूजी वाली अर्जी भी सुप्रीम कोर्ट ने की थी खारिज

बता दें कि रोहिंग्या रिफ्यूजियों के मामले में भी हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने दखल देने से इनकार कर दिया था। दरअसल याची को 2015 में लिट्टे से जुड़े होने के आरोप में अरेस्ट किया गया था। 2018 में शख्स को ट्रायल कोर्ट ने दोषी करार दिया था और 10 साल की कैद की सजा दी थी। इस फैसले के खिलाफ उसने हाई कोर्ट में अपील की थी, जिसके बाद उसकी सजा 7 साल हो गई। इसके साथ ही यह आदेश भी उच्च न्यायालय ने दिया था कि वह सजा पूरी होते ही देश छोड़ देगा। अब देश छोड़ने के फैसले के खिलाफ याची ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया, लेकिन अदालत ने राहत देने से साफ इनकार कर दिया।

संभल जामा मस्जिद के सर्वे का रास्ता साफ

● *हाईकोर्ट से मुस्लिम पक्ष को झटका, याचिका खारिज*

संभल (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने संभल जामा मस्जिद के एएसआई सर्वे पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है और एएसआई सर्वे के आदेश के खिलाफ इंतजामिया कमेटी की पुनरीक्षण याचिका खारिज कर दी है।

कोर्ट ने कहा कि सर्वे कमिश्नर के लिए अर्जी देने के साथ इस मामले में दीवानी वाद भी पोषणीय है। कोर्ट ने इंतजामिया कमेटी के इस तर्क को भी स्वीकार नहीं किया कि दीवानी मुकदमा 1991 के पूजा स्थल अधिनियम के प्रावधानों से बाधित है। यह आदेश न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने सोमवार को खुली अदालत में सुनाया। कोर्ट ने जामा मस्जिद इंतजामिया कमेटी, हरि शंकर जैन और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के वकीलों को सुनने के बाद गत 13 मई को निर्णय सुरक्षित कर लिया था।

25 मई को कच्छ के भुज में पीएम मोदी भरेंगे हुंकार

● 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद गुजरात में करेंगे पहली सार्वजनिक सभा

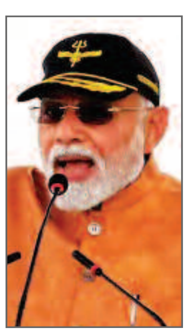

अहमदाबाद (एजेंसी)। पहलगाम हमले के बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' से आतंकवादियों के आकाओं को कड़ा जवाब देने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन के गुजरात दौरे पर आएंगे। पीएम मोदी के अहमदाबाद, दाहोद और कच्छ के भुज जाने की संभावना है। पीएम मोदी कच्छ के भुज में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करेंगे। इसकी तैयारियां भी शुरू कर दी गई हैं। सूत्रों के अनुसार जल्द ही पीएम मोदी का आधिकारिक कार्यक्रम रिलीज हो जाएगा। इसे अंतिम तौर पर फाइनल किया जा रहा है। पीएम मोदी पिछले साल दीवाली पर कच्छ पहुंचे थे तब उन्होंने सरक्रीक के पास हरामी नाला के नजदीक सैनिकों के साथ दीवाली मनाई थी। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पिछले हफ्ते भुज एयरबेस का दौरा किया था।

अबकी जमकर बरसेंगे बदरा, होगा पानी-पानी!

● बाढ़ और आंधी की चेतावनी, मौसम की मार जारी

बेंगलुरु (एजेंसी)। मौसम ने एक बार फिर करवट ली है और देश के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग का कहना है कि बरसात अभी जारी रहने वाली है। इसके मुताबिक, मई के अंत में मौसम में फिर से बदलाव की संभावना है, क्योंकि विभिन्न वायुमंडलीय प्रणालियां सक्रिय हो रही हैं। 21 मई के आसपास अरब सागर में कर्नाटक तट के पास ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण बनने की संभावना है। इसके प्रभाव से 22 मई को निम्न दबाव का क्षेत्र विकसित हो सकता है, जो उत्तर की ओर बढ़ते हुए और तीव्र हो सकता है। इससे कर्नाटक, गोवा, और महाराष्ट्र के तटीय क्षेत्रों में भारी बारिश होगी। आंधी के साथ बाढ़ और जलभराव का खतरा बढ़ सकता है। इसके अलावा, एक ताजा पश्चिमी विक्षोभ भी तैयार हो रहा है। इसके चलते पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश में बारिश और बर्फबारी की संभावना है। राजस्थान, पंजाब से लेकर मध्य प्रदेश और उत्तर भारत में बारिश व गरज-चमक के साथ तूफान की आशंका है। महाराष्ट्र और

बंगाल की खाड़ी में मौजूद चक्रवाती सर्कुलेशन से मध्य और दक्षिण भारत में बारिश हो सकती है। उत्तर-पूर्वी राज्यों जैसे असम और पश्चिम बंगाल में भारी बारिश की संभावना है। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और कर्नाटक में मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। इसके चलते रबी फसलों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है, लेकिन अत्यधिक बारिश से बाढ़ और फसलों को नुकसान होने का जोखिम भी है। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में रात भर हुई भारी बारिश की वजह से विभिन्न इलाके बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। सड़कों पर जगह जगह पानी भर गया है और कई आवासीय इलाके जलमग्न हो गए हैं। शहर में अभी और बारिश के आसार हैं। आईएमडी के अनुसार, पिछले 24 घंटों में बेंगलुरु में 103 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। सोशल मीडिया पर बेंगलुरु के विभिन्न हिस्सों से जलमग्न सड़कों के वीडियो सामने आ रहे हैं, जिसमें दिखाया गया कि बारिश के बीच शहर किस तरह की समस्याओं से जूझ रहा है। गृह मंत्री जी परमेश्वर के अनुसार, पिछले तीन दिनों से बेंगलुरु में भारी बारिश हो रही है।

बांग्लादेशी घुसपैठियों को खोजें, जांच कर बाहर निकालें

● केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को दी 30 दिन की मोहलत

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्रालय (एमएचए) ने बांग्लादेश और म्यांमार से आए उन संदिग्ध अवैध प्रवासियों की पहचान और उनके दस्तावेजों की जांच के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 30 दिन की समय सीमा दी है, जो स्वयं को भारतीय नागरिक बताते हैं। मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार, यदि 30 दिनों के भीतर उनके दस्तावेजों की पुष्टि नहीं होती, तो उन्हें देश से निर्वासित कर दिया जाएगा। इस महीने जारी किए गए निर्देशों में, गृह मंत्रालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अपने वैधानिक अधिकारों का उपयोग करके अवैध प्रवासियों की पहचान, जांच और निर्वासन की प्रक्रिया शुरू करने को कहा है। साथ ही, मंत्रालय ने सभी राज्यों को जिला स्तर पर पर्याप्त हिरासत केंद्र (डिटेंशन सेंटर) स्थापित करने के निर्देश दिए हैं, जहां निर्वासन की प्रक्रिया पूरी होने तक संदिग्ध प्रवासियों को रखा जाएगा। यह कदम केंद्र सरकार की उस नीति का हिस्सा है, जिसके तहत बांग्लादेश और म्यांमार से आए अवैध प्रवासियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, गृह मंत्रालय ने अपने निर्देशों में कहा है कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को बांग्लादेशी नागरिकों और रोहिंग्या प्रवासियों का रिकॉर्ड

रखना होगा, जिन्हें सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और तटरक्षक बल को निर्वासन के लिए सौंपा जाता है। इसके अलावा, हर महीने की 15 तारीख को इस संबंध में केंद्र सरकार को एक रिपोर्ट सौंपना अनिवार्य होगा। मंत्रालय ने ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन को भी निर्देश दिए हैं कि निर्वासित व्यक्तियों की सूची एक सार्वजनिक पोर्टल पर प्रकाशित की जाए। यह डेटा आधार नंबर, मतदाता पहचान पत्र और पासपोर्ट जारी करने से रोकने के लिए यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई), निर्वाचन आयोग और विदेश मंत्रालय के साथ शेयर किया जाएगा। यदि अवैध प्रवासियों के पास पहले से ही ऐसे दस्तावेज हैं, तो उन्हें निष्क्रिय कर दिया जाएगा और संबंधित लाभ बंद कर दिए जाएंगे। गृह मंत्रालय ने बांग्लादेश और म्यांमार से लगने वाली भारतीय सीमाओं की सुरक्षा करने वाले सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और असम राइफल्स के महानिदेशकों को भी ये निर्देश जारी किए हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पहले अवैध प्रवासियों को वापस भेजने के लिए कोई निश्चित समय सीमा नहीं थी, जिसके कारण कई बार दूसरे राज्यों से सत्यापन रिपोर्ट प्राप्त करने में महीनों लग जाते थे। नए निर्देशों के साथ इस प्रक्रिया को तेज और सुव्यवस्थित करने का प्रयास किया गया है। गृह मंत्रालय के निर्देशों के बाद कई राज्यों ने अवैध प्रवासियों की पहचान और हिरासत की प्रक्रिया शुरू कर दी है। गुजरात में सूरत और अहमदाबाद में तलाशी अभियान चलाए गए, जिसमें लगभग 6,500 संदिग्ध प्रवासियों को हिरासत में लिया गया। राजस्थान ने भी हाल ही में 148 अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को विशेष विमान से पश्चिम बंगाल भेजा, जहां से उन्हें उनके मूल देश वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। झारखंड ने भी अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या प्रवासियों की पहचान और निर्वासन के लिए राज्यव्यापी अभियान शुरू किया है।

संक्षिप्त समाचार

संभल हिंसा में शामिल एक और गिरफ्तार, अब तक 84 आरोपियों को जेल भेज चुकी पुलिस

संभल, एजेंसी। यूपी के संभल में सदर कोतवाली पुलिस ने हिंसा में शामिल एक और आरोपी को रविवार सुबह उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी बीते वर्ष शाही जामा मस्जिद सर्वे के दौरान हुई हिंसा में शामिल था और भीड़ में शामिल होकर पुलिस टीम पर पथराव किया था। आरोपी के न्यायालय से वारंट जारी होने के बाद पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

बीते वर्ष शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान 24 नवंबर को हिंसा हुई थी। जिसमें पुलिस व प्रशासनिक अफसरों समेत 29 पुलिसकर्मी घायल हुए थे और चार युवकों की मौत हुई थी। पुलिस भीड़ का हिस्सा बनकर पथराव और फायरिंग करने के मामले में 84 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। अन्य आरोपियों की फोटो और वीडियो के आधार पर पहचान कराकर उन्हें पकड़ने के प्रयास में पुलिस जुटी है। हिंसा मामले में वांछित आरोपी शेर मोहम्मद निवासी कोट गर्वी ने भी भीड़ का हिस्सा बनकर हिंसा के दौरान पुलिस टीम पर पथराव किया था। आरोपी के न्यायालय से वारंट भी जारी हो चुके हैं। रविवार को पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। थाना प्रभारी अमरीश कुमार ने बताया कि शेर मोहम्मद को उसके घर से गिरफ्तार कर चालान कर दिया।

गुरुग्राम में सड़कों के किनारे कब्जा करने वालों की खैर नहीं

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम में बड़े पैमाने पर सड़कों किनारे किए गए अतिक्रमण की शिकायतें मिलने पर प्रशासन ऐक्शन मोड में नजर आ रहा है। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) और गुरुग्राम नगर निगम (एमसीजी) ने इस मुद्दे को हल करने के लिए संयुक्त प्रयास किए हैं। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) और गुरुग्राम नगर निगम (एमसीजी) ने शहर में जहां भी अतिक्रमण है उसे जल्द से जल्द हटाने के निर्देश दिए हैं। डीटीपी जीएमडीए आरएस बाठ के नेतृत्व में नगर निगम और जीएमडीए दोनों की इनफोर्समेंट टीमों ने हाल ही में बादशाहपुर चौक पर दो अभियान चलाए थे, जो कि मुख्य रूप से अतिक्रमण वाला क्षेत्र था। 500 मीटर के क्षेत्र में लगभग 50 अवैध रेहड़ियां हटाई गईं और फुटपाथों को, जो पूरी तरह से दुकानदारों द्वारा अतिक्रमण किए गए थे, पैदल चलने वालों के लाभ के लिए साफ किया गया।

पार्किंग क्षेत्र बढ़ाया: इसके अतिरिक्त, पार्किंग क्षेत्र को भी बढ़ाया गया क्योंकि विक्रेताओं द्वारा अवैध रूप से जगह पर कब्जा कर लिया गया था। अभियान से पहले, दोनों टीमों द्वारा तीन निरीक्षण दौरे किए गए और सभी दोषियों को उनके अवैध ढांचे और अतिक्रमण को हटाने की चेतावनी जारी की गई।

पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में यूपी का व्यापारी गिरफ्तार

लखनऊ, एजेंसी। जासूसी के आरोप में गिरफ्तारी हुई हरियाणा की यूट्यूबर और ट्रैवल ब्लॉगर ज्योति मल्होत्रा के बाद अब उत्तर प्रदेश पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के लिए जासूसी करने के आरोप में रामपुर से एक व्यवसायी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान शहजाद के रूप में हुई है। उसे एसटीएफ की ओर से पाकिस्तान के लिए सीमा पार तस्करी और जासूसी गतिविधियों में शामिल होने की खुफिया जानकारी के आधार पर मुरादाबाद से गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों के अनुसार, शहजाद पाकिस्तान में अपने आकाओं को राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी संवेदनशील जानकारी दे रहा था। एसटीएफ ने एक बयान में कहा कि शहजाद हाल के वर्षों में व्यापार के बहाने कई बार पाकिस्तान गया था।

नया कीर्तिमान, हिमाचल परिवहन विभाग ने एक साल में की 912 करोड़ की कमाई

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के परिवहन विभाग ने राजस्व अर्जन में नया रिकॉर्ड कायम करते हुए वित्तीय वर्ष 2024-25 में 912 करोड़ रुपये की कमाई की है। यह आय पिछले वर्ष की तुलना में 132 करोड़ रुपये अधिक है। रविवार को प्रेसवार्ता में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं परिवहन मंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मौजूदा वित्त वर्ष के अंत तक यह आंकड़ा 1000 करोड़ रुपये पार कर जाएगा। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि बीते एक वर्ष में प्रदेश में 1.5 लाख नए वाहन पंजीकृत हुए हैं जिससे कुल पंजीकृत वाहनों की संख्या 23 लाख के पार पहुंच गई है। वहीं इस दौरान एक लाख नए ड्राइविंग लाइसेंस जारी किए गए हैं और अब तक कुल 16 लाख लाइसेंस प्रदेश में एक्टिव हैं।

फैंसी नंबरों की ई-नीलामी बनी बड़ी आय का स्रोत: परिवहन विभाग की आय बढ़ाने में फैंसी नंबरों की ई-नीलामी ने अहम भूमिका निभाई है। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि पहले ये नंबर सिफारिश के आधार पर जारी होते थे। लेकिन अब पारदर्शी व्यवस्था के तहत इनकी ऑनलाइन नीलामी की जा रही है। इस व्यवस्था से विभाग को बीते वर्ष 37 करोड़ रुपये की आय हुई है। कुछ विशेष नंबर 20 से 25 लाख रुपये तक में नीलाम हुए हैं।

बाहर से आने वाली बसों पर स्पेशल टैक्स से हुई 17 करोड़ की आय: उप मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्र की नई परिवहन नीति के चलते बाहर से आने वाली बसों को रोकना अब चुनौतीपूर्ण हो गया है। ऐसे में राज्य सरकार ने इन पर विशेष रोड टैक्स लगाया है। इससे अब तक 17 करोड़ रुपये की आय हो चुकी है। उन्होंने कहा कि जिन वाहनों ने अब तक टैक्स नहीं चुकाया है वे अब उत्पाद शुल्क विभाग से एनओसी लेकर टैक्स अदा कर सकते हैं।

प्रदेश को मिले राष्ट्रीय अवॉर्ड, केंद्र से मिली 28.71 करोड़ की राशि

प्रदेश को परिवहन क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए लगातार दूसरे वर्ष केंद्र सरकार से पुरस्कार मिला है। पिछले वर्ष जहां 25 करोड़ की पुरस्कार राशि मिली थी वहीं इस वर्ष यह बढ़कर 28.71 करोड़ रुपये हो गई है।

1000 नए वाहन उतरेंगे रूट पर, चार्जिंग स्टेशन और स्क्रैप सिस्टम की योजना

उन्होंने कहा कि प्रदेश में सार्वजनिक परिवहन को और मजबूत करने की दिशा में परिवहन विभाग 1000 नए वाहनों को रूट पर उतारने की योजना पर काम कर रहा है। वर्तमान में 234 बसें, 350 सीट क्षमता वाली 181 बसें और 18 सीटर टेम्पो परिचालित हो रहे हैं। इसके अलावा 3000 निजी वाहन और 27 हजार परमिट भी जारी किए गए हैं। वहीं ई-वाहनों को बढ़ावा देने के लिए हिमाचल पर्यटन विकास निगम (एचपीटीडीसी) के 65 होटलों में इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन लगाए जाएंगे। इस वर्ष कुल 88 नए चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने की योजना है। साथ ही सोलन और नादौन में दो स्क्रैपेज पॉलिसी आधारित वाहन स्क्रैपिंग केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं। इसके अलावा प्रदेश में सात नए ऑटोमैटिक वाहन परीक्षण केंद्र भी शुरू किए जाएंगे।

हैदरबाद को दहलाने की कोशिश कर रहे थे आईएसआईएस के आतंकी, पकड़े गए रहमान और समीर

हैदरबाद, एजेंसी। आंध्र प्रदेश पुलिस और तेलंगाना पुलिस ने एक संयुक्त अभियान के तहत हैदराबाद में धमाके की योजना बना रहे आतंकियों की साजिश को नाकाम कर दिया है। पुलिस कि संयुक्ति टीम ने दो संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि विजयनगरम के सिराज उर रहमान (29) को एक गुप्त सूचना के आधार पर हिरासत में लिया गया था। पुलिस ने बताया कि तलाशी के दौरान रहमान के परिसर से अमोनिया, सल्फर और एल्युमीनियम पाउडर सहित विस्फोटक जब्त किए गए। पुलिस ने बताया, 'जांच के दौरान रहमान द्वारा किये गए खुलासे के आधार पर हैदराबाद से एक अन्य व्यक्ति सैयद समीर (28) को हिरासत में लिया गया।' इन लिंक आईएसआईए के मॉड्यूल से बताया गया है। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपी हिरासत में हैं और उन्हें अदालत में पेश किया जाएगा। उन्होंने जनता से सहयोग और सतर्कता बरतने का आग्रह किया। पहलगाम हमले के बाद देशभर में सुरक्षा एजेंसियां सर्च ऑपरेशन चला रही हैं। एनआईए ने शुक्रवार को पंजाब के 15 ठिकानों पर छापेमारी की थी। पंजाब पुलिस गैंगस्टर हैप्पी से जुड़े ठिकानों की तलाशी ले रही थी। हैप्पी का लिंक पाकिस्तान में खालिस्तानी आतंकी हरविंदर सिंह उर्फ रिंडा से हैं। हैप्पी पर पंजाब में कई ग्रेनेड अटैक करवाने का भी आरोप है। एनआईए ने मुंबई में आईएसआईएस के स्लीपर मॉड्यूल के दो फरार सदस्यों को भी गिरफ्तार किया है।

एजेंसी ने बताया कि इनकी पहचान अब्दुल्ला फैयाज शेख उर्फ डायपरवाला और तल्हा खान के रूप में की गई है। ये दोनों ही जकार्ता से भारत लौट रहे थे तभी मुंबई एयरपोर्ट पर गिरफ्तार कर लिया गया। जम्मू-कश्मीर के शोपियां में सीआरपीएफ, एसओजी और सेना के जॉइंट ऑपरेशन में आतंकियों के दो मददगारों को गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से पिस्तौल, ग्रेनेड, 43 राउंड कारतूस और अन्य गोला बारूद जब्त किया गया है। शोपियां पुलिस ने एफआईआर दर्ज करके आगे की जांच शुरू करदी है।

मुंबई-गोवा हाईवे पर जगबुडी नदी में गिरी कार, 5 लोगों की मौत

रत्नागिरी, एजेंसी। महाराष्ट्र के मुंबई-गोवा हाईवे पर एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। यहां एक कार जगबुडी नदी में गिर गई, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई और ड्राइवर घायल हो गया है। बताया जा रहा है कि कार सवार सभी लोग मुंबई के मिरा रोड से रत्नागिरी के देवरुख में एक अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए जा रहे थे, तभी कार चालक का मुंबई-गोवा हाईवे पर जगबुडी नदी के पास नियंत्रण बिगड़ गया और गाड़ी अनियंत्रित होकर नदी में जा गिरी। इस दुर्घटना में कार में सवार 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई और उन्होंने तुरंत पुलिस को मामले की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को इलाज के

लिए अस्पताल में भर्ती कराया। साथ ही शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इससे पहले, 28 अप्रैल को महाराष्ट्र के भंडारा में एक सड़क हादसा सामने आया था, जहां चार लोगों की मौत हो गई। जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया था। यह भीषण दुर्घटना मुंबई-कोलकाता राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित भंडारा शहर के निकट बेला गांव में हुई थी। एक बोलेरो गाड़ी रायपुर से नागपुर की ओर जा रही थी। जब गाड़ी बेला गांव के पास पहुंची, तभी नागपुर की तरफ से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उसे टक्कर मार दी। हादसे के समय गाड़ी में पांच लोग सवार थे, जिनमें से चार लोगों की मौत हो गई थी। वहीं, ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गया। बीते दिनों महाराष्ट्र में हादसों में कई दुर्घटनाएं सामने आई हैं। 18 अप्रैल को भी मुंबई के चेंबूर इलाके में बीएमसी का कचरा ट्रक ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर पलट गया था। इस हादसे में एक मजदूर की मौत हो गई थी, जबकि दो लोग घायल हुए थे।

जम्मू-कश्मीर के शोपियां में हथियार और गोला-बारूद के साथ आतंकी गतिविधियों से जुड़े दो लोग को गिरफ्तार किया गया

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू एवं कश्मीर के शोपियां जिले में आतंकी गतिविधियों से जुड़े दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। उनके पास से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। शोपियां जिले की पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया, आतंकवाद के खिलाफ एक उल्लेखनीय अभियान में एसओजी शोपियां, सीआरपीएफ 178 बीएन और 34 आरआर के संयुक्त टीम ने दो संदिग्ध व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। उनकी तलाशी लेने पर 4 हथगोले, 2 पिस्तौल, 43 जिंदा कारतूस और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई। दोनों के खिलाफ एक एफआईआर दर्ज की गई।

संयुक्त बलों ने पूरे केंद्र शासित प्रदेश में आतंकवादियों, उनके ओवरग्राउंड वर्करों (ओजीडब्ल्यू) और उनके समर्थकों के खिलाफ अभियान शुरू कर दिया है।

ये ऑपरेशन सेना, पुलिस और सुरक्षा बलों द्वारा संयुक्त रूप से चलाए जाते हैं। पिछले सप्ताह शोपियां और पुलवामा जिलों में दो लगातार अभियानों में छह आतंकवादी मारे गए थे। मारे गए आतंकवादियों में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का ऑपरेशनल कमांडर भी शामिल था। 22 अप्रैल को लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों ने पहलगाम में एक स्थानीय नागरिक सहित 26 नागरिकों की हत्या कर दी थी।

इस आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान-पीओके में घुसकर एयर स्ट्राइक की थी और आतंकियों के 9 ठिकानों का ध्वस्त किया था। भारत की एयर स्ट्राइक के बाद पाकिस्तान ने भारत पर हमला किया। पाक की ओर से जम्मू एवं कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) और अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) पर अंधाधुंध मोर्टार गोलाबारी की गई।

पुंछ, राजौरी, बारामूला और कुपवाड़ा जिलों में पाकिस्तान की ओर से की गई गोलाबारी से कई घरों और दुकानों को नुकसान हुआ। हालांकि, पाकिस्तान की ओर से हो रहे हमलों का भारत ने मुंहतोड़ जवाब दिया। आखिरकार, भारत के सामने पाकिस्तान को झुकना पड़ा और सीजफायर की पहल की। 12 मई को भारत-पाक के बीच सीजफायर हुआ। हालांकि, पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन किया। लेकिन, सीमा पर कुछ दिनों से शांति है। भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यह सीजफायर तभी तक कायम रहेगा जब तक पाकिस्तान अपनी धरती से आतंकवादी गतिविधियों पर लगाम नहीं लगा लेता।

मैंने 2019 में भाजपा को सत्ता में आने से रोका इसलिए ईडी ने मुझे गिरफ्तार किया: संजय राउत

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (उबाठा) के नेता संजय राउत ने दावा किया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा कथित धन शोधन के मामले में उन्हें गिरफ्तार किए जाने के पीछे मुख्य कारण यह था कि उन्होंने 2019 में महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को सत्ता में आने से रोका था। राउत ने अपनी पुस्तक नरकतला स्वर्ग (नरक में स्वर्ग) में यह भी दावा किया कि उनके खिलाफ कार्रवाई इसलिए की गई क्योंकि वह उस वर्ष सत्ता में आई उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महाविकास अघाडी (एमवीए) सरकार की सुरक्षा दीवार थे।

यह पुस्तक राउत के जेल में बिताए अनुभवों के बारे में है, जब ईडी ने 2022 में उन्हें ठाकरे सरकार के गिरने के तुरंत बाद कथित धन शोधन के मामले में गिरफ्तार किया था। हालांकि बाद में राउत को जमानत मिल गई थी। उन्होंने कहा, मेरे खिलाफ (ईडी की) कार्रवाई के पीछे मुख्य कारण यह था कि मैंने भाजपा को सत्ता में आने से रोका। मैं ठाकरे सरकार को बचाने के लिए एक सुरक्षा दीवार की तरह खड़ा था। उसके बाद ठाकरे सरकार गिर गई। राउत ने दावा किया, (एकनाथ) शिंदे सरकार असंवैधानिक तरीकों से बनी थी। शिंदे और (तत्कालीन उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस) दोनों एक बात पर सहमत रहे होंगे कि अगर सरकार को काम करना है, तो राउत को सलाखों के पीछे होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा इस बात से आहत थी कि उसे 105 सीट (2019 के विधानसभा चुनावों में 288 सदस्यीय विधानसभा में) जीतने के बावजूद विपक्ष में बैठना पड़ा था। राउत ने दावा किया, शिवसेना के शरद पवार की अगुआई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) से हाथ मिलाने के बाद भाजपा को विपक्ष में बैठना पड़ा। भाजपा ने मुझे ही कारण माना कि वह 2019 में महाराष्ट्र में सरकार नहीं बना सकी। भाजपा को हमेशा इसका अफसोस रहा।

भाजपा और शिवसेना ने 2019 का विधानसभा चुनाव साथ मिलकर लड़ा था लेकिन मुख्यमंत्री पद को लेकर विवाद के कारण शिवसेना ने भाजपा से नाता तोड़ लिया था। बाद में शिवसेना, कांग्रेस और (अविभाजित) राकांपा वाले महाविकास अघाडी गठबंधन का हिस्सा बन गई और गठबंधन सरकार का नेतृत्व ठाकरे ने किया। भाजपा के कटु आलोचक माने जाने वाले राज्यसभा सदस्य ने कहा कि पूर्व सहयोगी दल 2019 में उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री के रूप में नहीं देख सकता था इसलिए भाजपा नेता ने उनकी सरकार को गिराने की साजिश रची। उन्होंने कहा कि सरकार के पास 170 विधायकों का बहुमत होने के कारण यह संभव नहीं था कि उनका ऑपरेशन लोटस सफल हो। राउत ने कहा, यही कारण है कि केंद्रीय एजेंसियां युद्ध के मैदान में उतरीं। अनिल देशमुख, नवाब मलिक और संजय राउत को लक्ष्य बनाया गया।

डीएनए विवाद ने तूल पकड़ा, ब्रजेश पाठक ने अखिलेश यादव के नाम की लंबी पोस्ट; बहुत कुछ लिख दिया

लखनऊ, एजेंसी। यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के बीच छिड़ा डीएनए विवाद लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। समाजवादी पार्टी के सोशल मीडिया एक्स हैंडल से हुई पोस्ट को लेकर रविवार को ब्रजेश पाठक और अखिलेश यादव ने एक-दूसरे को नसीहत दी थी। इस मामले में अखिलेश यादव, सपा के प्रदेश अध्यक्ष और सपा के मीडिया सेल को भी नोटिस भेजा गया है। वहीं सोमवार को डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने एक लंबी पोस्ट लिखकर समाजवादी पार्टी की राजनीतिक सोच और कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। इसमें ब्रजेश पाठक ने समाजवादी पार्टी पर जातिवाद, तुष्टीकरण और समाज को बांटने की राजनीति करने का आरोप लगाया है।

ब्रजेश पाठक ने लिखा-'अखिलेश यादव जी, आप डीएनए के सवाल पर बहुत भड़के हुए हैं। मैने ये कह क्या दिया कि समाजवादी पार्टी के डीएनए में ख़राबी है, आप आपे से उसी तरह बाहर हो गए जैसे दस साल पहले यूपी की सत्ता से बाहर हो गए थे। आप इस बात को समझिए कि डीएनए में खराबी से हमारा मतलब किसी व्यक्ति विशेष से नहीं, बल्कि

आपकी पार्टी की राजनीतिक सोच से है। डीएनए में खराबी का मतलब ये है कि आपकी पार्टी की राजनीति की बुनियाद ही जातिवाद और तुष्टीकरण पर टिकी रही है और आज भी टिकी हुई है। समाजवादी पार्टी ने कभी सबका साथ-सबका विकास की बात की ही नहीं। आपकी प्राथमिकता ही हमेशा वोटबैंक की राजनीति रही है, नीतियों और आदर्शों से आपका दूर दूर तक का लेना देना नहीं रहा है।'

डिप्टी सीएम ने आगे लिखा, 'मैं आपकी पार्टी के डीएनए में खराबी के मसले को और खुलकर समझा देता हूं। दरअसल मुस्लिम तुष्टिकरण ही आपकी राजनीति का केन्द्रीय हिस्सा रहा है। आप किसी भी राजनीति विज्ञानी से बात कर लें। वो आपको समझा देगा कि आपकी पार्टी का जन्म ही मुस्लिम तुष्टीकरण के डीएनए के साथ हुआ है और आपकी पूरी की पूरी राजनीति की दाल-रोटी भी यही है। वो चाहे शिक्षा नीति हो, नियुक्तियाँ हों या कानून-व्यवस्था के सवाल, आपकी सरकारों ने बार-बार एक ही वर्ग विशेष को खुश करने के लिए बाकी समाज की अनदेखी की है। इससे समाज में विभाजन और अविश्वास की खाई और गहरी हुई है। आपने तो बतौर मुख्यमंत्री अपने सिगनेचर से आतंकियों से जुड़े 14 केस एक साथ वापिस लिए हैं ताकि आपकी पार्टी के मुस्लिम तुष्टीकरण वाले डीएनए को खाद पानी मिलता रहे। ऐसे में मैं अच्छी तरह समझा सकता हूं कि डीएनए पर सवाल उठाने से आप इतने तिलमिलाए क्यों हैं। आपको इतना दर्द क्यों हैं।'

पत्र में डिप्टी सीएम सपा पर आरोपों की बौछार करते हुए लिखा-'आपकी पार्टी का डीएनए तो दलितों के भी खिलाफ रहा है। समाजवादी पार्टी के शासनकाल में बार-बार देखा गया कि दलितों के अधिकारों को कुचला गया, उन्हें राजनीतिक रूप से हाशिए पर रखा गया, और उनके साथ अन्याय की घटनाओं में वृद्धि हुई। यह सिर्फ प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि एक गहरी राजनीतिक मानसिकता को दर्शाता है।' ब्रजेश पाठक ने सपा पर समाज को बांटने का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा-'अखिलेश जी, इसलिए जब हम कहते हैं कि समाजवादी पार्टी के डीएनए में ख़राबी है तो हमारा सीधा मतलब है कि यह पार्टी सत्ता के लिए समाज को बांटने में यक़ीन रखती है। जाति, धर्म और वर्ग को देख कर राजनीति करती है। इसलिए आप कुपित न होइए। हो सके तो खुद को और अपनी पार्टी की सोच को बदलने की कोशिश कीजिए। एक बात और, आपका और आपकी पार्टी का ट्विटर हैंडल जो भी चलाता है और जो भी आपको बड़े बड़े पैराग्राफ वाले बयान लिखकर भेजता है, वो तो इतना नादान है कि उसने आपके जरिए ये कुबूल करवा लिया कि जेपी, लोहिया और राजनारायण जैसे महान नेताओं के समाजवाद को गंदी, पतित और कलुषित गालियों में तब्दील कर देने वाले ये लोग आपके अपने ही हैं।

चरस के साथ दो गिरफ्तार, आरोपी मादक पदार्थ की फरोख्त करनें की फिराक में थें

✷ एनसीआर टुडे. नांगल सोती ✷ । मंडावली पुलिस ने चरस के साथ दो लोगों गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। रविवार कों मंडावली पुलिस को चेकिंग के दौरान मुखबिर ने सूचना मिली की मोटा महादेव सें कामगारपुर जाने वाली नहर की पटरी पर स्थित एक मुर्गी फार्म के पास एक आई 10 कार में दो संदिग्ध व्यक्ति खड़े हैं। मुखबिर की सूचना पर मौके पर पहुंचे उप निरीक्षक संजय कुमार, हेड कांस्टेबल दीपक कुमार, अंकुर कुमार, बृजेश कुमार नें चरस बेचने की फिराक में खड़े दोनों आरोपियों को दबोच लिया और तलाशी लेने पर प्रतीक मित्तल पुत्र मुकेश मित्तल निवासी आर्य नगर थाना कोतवाली शहर जिला मुरादाबाद के पास से 730 ग्राम चरस व रिषभ कुमार पुत्र अनील कुमार कस्बा वे थाना श्रीनगर जनपद पौड़ी उत्तराखंड के पास सें 720 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने दोनों आरोपी को संबंधित धाराओं में चालान कर जेल भेज दिया।

नगीना क्षेत्राधिकारी व थाना प्रभीरी के नेतृत्व में निकला गया फ्लैग मार्च

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷ । क्षेत्राधिकारी, अंजनी कुमार चतुर्वेदी, व थाना प्रभारी तेजपाल सिंह के नेतृत्व में,पुलिस फोर्स के साथ शांति व्यवस्था कम रखने के उद्देश्य से थाने से लेकर, बाजार जामा मस्जिद, बाजार सराफा, गंज बाजार, लोहारी सराय, पालिका बाजार, गांधी मूर्ति, रेलवे स्टेशन होता हुआ, पुलिस चौकी चित्तौड़गढ़ पर, पहुंचकर समापन हुआ, बताते चलें कि जब से क्षेत्राधिकारी नगीना अंजनी कुमार चतुर्वेदी व प्रभारी निरीक्षक तेजपाल सिंह नगीना की कमान संभाली है तब से अपराधों में काफी गिरावट आई है, दोनों अधिकारियों की सूझबूझ, से जनता में राहत का संचार हुआ है, अपराधी भूमिगत हो गए हैं, दोनों अधिकारी, अमन और शांति कायम करने के उद्देश्य से प्रतिदिन थाने से लेकर पूरे शहर में, शांति का संदेश देने के लिए प्रतिदिन फ्लैग मार्च करते हैं दोनों अधिकारियों की कार्य कुशलता से जनता में राहत का संचार हुआ है।

क्रिकेट टूर्नामेंट में मुख्य अतिथि चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी ने विजेता टीम को ट्रॉफी देकर किया सम्मानित।

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷ । पास के ग्राम समीपुर मे तारिक क्रिकेट क्लब की ओर से चल रहे टूर्नामेंट के फाईनल मैच मे मुख्य अतिथि चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी ने विजेता और उपविजेता रहे खिलाड़ियों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। समीपुर में चल रहे क्रिकेट टूर्नामेंट में छोटी ज्वाली ने समीपर को हराकर विजेता बनी। मैन ऑफ द मैच अल्फान बने। मुख्य अतिथि चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी ने खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुई कहा की युवाओं को अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते रहना चाहिए। युवाओं को आउटडोर गेम अधिक से अधिक खेलना चाहिए। आउटडोर गेम खेलना से शरीर का विकास होता है और आप कई बीमारियों से दूर रहते है। प्रतियोगिता में कप्तान समीपुर सिकन्दर व आदिल छोटी ज्वाली टीम रहे। इस मौके पर जर्मन, शराफात, शादमान सहित काफ़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

जोगी रमपुरी में सालाना मजलिसों की तैयारी लगभग पूरी पूरी

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷ । दरगाहे आलिया नज्फे ए हिंद जोगीरमपुरी में होने वाली सालाना मजलिसों की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है। एसडीएम विजय शंकर नजीबाबाद सीओ नगीना अंजनी कुमार नगीना थाना प्रभारी नगीना देहात संजय कुमार, लगातार दरगाह की तैयारी का जायजा ले रहे हैं। दरगाह परिसर में सीसीटीवी कैमरो का जाल बिछाया गया है। जायरिनों के लिए मुकम्मल तैयारी की जा रही है। दरगाह पर बसा तम्बूओ का शहर प्रशासक गुलरेज हैदर रिज़वी की टीम युद्ध स्थर की तैयारी में जुट गई।

पूजा पाठ करने से मन को मिलती है शांति और परिवार में बने रहते हैं संस्कार

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷ । श्री मद्भागवत कथा में पूजा के यजमान डॉ. मनीष दक्ष डॉ.ए.के. दक्ष व निश्चल त्यागी, विनीता त्यागी की आचार्य पंडित ऋषभ भारद्वाज व पंडित आचार्य अमित भारद्वाज ने कराई। पूजा अर्चना के बाद भक्तों ने आचार्यों का तिलक कर आशीर्वाद लिया। तदोपरांत यजमानों ने व्यास पंडित शिवांशु जी महाराज को गद्दी पर बैठाकर उनका तिलक कर व्यास जी का आशीर्वाद लिया। श्री कृष्ण का स्वरूप झांकियां का तिलक कर उनका आशीर्वाद लिया। डॉ.ए.के. दक्ष ने बताया की पूजा पाठ करने से मन को शांति मिलती है। और परिवार में संस्कार बने रहते हैं। डॉ. दक्ष ने कहा की ऐसे कार्यक्रम समय-समय पर होते रहने चाहिए। इस अवसर पर गोलू दक्ष, फूलवती दक्ष, मुकेश गुप्ता, पायल गुप्ता, पलक गुप्ता, अशी गुप्ता, प्रदीप अग्रवाल, वंदना अग्रवाल, मुकेश वर्मा, सुनीता वर्मा, बालेश तायल, रचना तायल, सुशांत गोयल, छाया गोयल, संजोग अग्रवाल, निशा अग्रवाल, अंजु गोयल, रमन गोयल, राधिका गोयल, पवन अग्रवाल, रचना अग्रवाल, मुस्कान अग्रवाल, सुभाष सैनी, विनिल गोयल, रचना गोयल आदि उपस्थित थे।

केस वापस ने लेने पर दी जान से मारने की धमकी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷ । थाना लोनी बार्डर क्षेत्र में छेड़छाड़ व दुष्कर्म के प्रयास के आरोपी ने युवती को केस वापस न लेने पर धमकी दी है। पीड़िता की शिकायत पर शनिवार को रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। बार्डर थाना क्षेत्र की कालोनी में रहने वाली युवती ने बेहटा हाजीपुर निवासी मनीष उर्फ मोनू के खिलाफ दो वर्ष पहले छेड़छाड़ व दुष्कर्म के प्रयास की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। कुछ समय बाद युवक ने रोहिणी दिल्ली में दिन दहाड़े सर्राफ की दुकान पर गन प्वाइंट पर लूट की घटना को अंजाम दिया था, जिसे दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। तीन माह पूर्व मोनू रोहिणी जेल से छूटा और तभी से पीड़िता को व्हाट्सएप कॉल और मैसेज करके केस वापस लेने की धमकी दे रहा है।

जीएसटी का प्रशासनिक अधिकारी 45 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷

सतर्कता अधिष्ठान मेरठ सेक्टर की ट्रैप टीम ने कंप्यूटर रिपेयरिंग कंपनी के व्यापारी की शिकायत पर सोमवार को जीएसटी कार्यालय से प्रशासनिक अधिकारी सतेन्द्र बहादुर सिंह को 45 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

आरोपी के खिलाफ नॉलेज पार्क कोतवाली में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा पंजीकृत कराया गया है।

शिकायतकर्ता व्यापारी की मैसर्स रामाटेक नामक फर्म है। जो गांव सलारपुर नोएडा में स्थित है और वर्ष 2016 से कंप्यूटर रिपेयरिंग का कार्य कर रही है। व्यापारी ने बताया कि उसकी फर्म का वैट एवं जीएसटी समय से संबंधित विभाग में जमा किया जाता रहा है। 29 अप्रैल 2025 को शिकायतकर्ता के मोबाइल पर एक फोन आया, जिसमें फोन करने वाले ने अपना नाम भूदेव बताया और कहा कि वर्ष 2016-17 एवं 2017-18 का एसेसमेंट लंबित है। साथ ही दोनों वर्षों के लिए कुल 4 लाख 55 हजार 840 की बकाया राशि जमा करने को कहा गया। फोन करने वाले ने शिकायतकर्ता को जीएसटी कार्यालय में आकर मिलने को कहा। 9 मई 2025 को जब शिकायतकर्ता कार्यालय पहुंचा तो भूदेव ने उसे बताया कि यदि बकाया राशि नहीं जमा की गई तो कोर्ट व कानूनी कार्रवाई की जाएगी। 13 मई को शिकायतकर्ता सतेंद्र बहादुर सिंह से मिला। सतेंद्र बहादुर सिंह ने फर्म पर 4 लाख 55 हजार 840 की बकाया राशि बताई और कहा कि यदि शिकायतकर्ता 50 हजार की रिश्वत देता है, तो वह यह मामला बिना किसी कार्रवाई के समाप्त कर देगा।

जब शिकायतकर्ता ने अपनी आर्थिक असमर्थता जताई तो अधिकारी ने 45 हजार की राशि तय की और उससे कम में काम करने से साफ इनकार कर दिया। इस बीच शिकायतकर्ता के बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा भंगेल के खाता को ईमेल के माध्यम से फ्रिज करवा दिया गया। जिससे उसके व्यापारिक लेन-देन पर असर पड़ा और व्यवसाय बाधित हो गया। इस उत्पीड़न से परेशान शिकायतकर्ता ने भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाते हुए सतर्कता अधिष्ठान मेरठ सेक्टर से संपर्क किया और पूरा मामला दर्ज कराया। इसके बाद सतर्कता अधिष्ठान ने योजना बनाकर आरोपी अधिकारी को रंगे हाथ पकड़ने की तैयारी की। 19 मई को तय योजना के अनुसार शिकायतकर्ता ने आरोपी को 45 हजार की रिश्वत देने के लिए बुलाया और जैसे ही उसने रिश्वत की राशि स्वीकार की। वहीं सतर्कता अधिष्ठान की ट्रैप टीम ने उसे रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

सतर्कता अधिष्ठान मेरठ सेक्टर ने कहा कि भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाई जा रही है। सरकारी कार्यों में किसी भी प्रकार की रिश्वत की मांग करना पूर्णतः अवैध है और यदि कोई भी राजपत्रित, अराजपत्रित अथवा अन्य लोक सेवक ऐसा करता है, तो इसकी शिकायत तत्काल रिश्वत विरोधी हेल्पलाइन नंबर 9454401866 पर की जा सकती है।

जीएसटी विभाग के अपर आयुक्त नोएडा जोन संदीप भाग्या का कहना है कि सतेंद्र बहादुर सिंह करीब दो साल से खंड-13 में कार्यरत थे। उनके खिलाफ विभागीय जांच भी कराई जाएगी।

अखिलेश यादव के CM बनने तक संघर्ष जारी रहेगा : शमशाद रशीद

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

समाजवादी पार्टी द्वारा चलाए जा रहे PDA कार्यक्रम के तहत शमशाद रशीद समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव अल्पसंख्यक सभा नगीना तहसील के ग्राम दुधराजपुर पहुंचे और गुरु रविदास जी के मंदिर के सामने नुक्कड़ सभा की सभा को संबोधित करते हुए शमशाद रशीद ने कहा अभी विधानसभा चुनाव बहुत दूर है लेकिन मैं आप लोगों का हाल-चाल जानने के लिए आपके दरवाजे पर पहले ही आ गया हूं मेरी आप लोगों से अपील है।

अपने लोकसभा के चुनाव में हमारे प्रत्याशी को जिताया था आपका बहुत-बहुत धन्यवाद मैं आपकी जन समस्याएं जो सोलर लाइट है नाल है मैं वह पूरा लगवाने की कोशिश करूंगा मिट्टी का खनन भी नहीं रुक रहा है।

जिस गांव वाले बहुत परेशान है मेरी आप लोगों से गुजारिश है आने वाले 2027 में समाजवादी पार्टी को जिताकर अखिलेश जी को मुख्यमंत्री बनाएं। PDA बड़ा परिवार अखिलेश यादव के साथ आ चुका है इन सरकारों में हर वर्ग परेशान है ना नौकरी है।

रोजगार कोसों दूर है वहां पर मौजूद लोगों ने अखिलेश यादव जी को मुख्यमंत्री बनाने का समर्थन किया गांव वालों ने श्री रविदास मंदिर पर फ्रीजर पानी का लगवाने की मांग की देवता पर नल लगवाने की मांग की वहां पर मौजूद सुखबीर सिंह धर्मवीर सिंह महिपाल सिंह विजयपाल सिंह दिवाकर सिंह वीरेंद्र सिंह नरेश सिंह टिकेंद्र सिंह हरिओम सिंह लाल बहादुर सिंह ओमप्रकाश जी सत्यनारायण सत्येंद्र सिंह भोला सिंह महेंद्र पाल बहुत से लोग मौजूद रहे।

नवनियुक्त जिला अध्यक्ष के नगीना पहुंचने पर जोरदार स्वागत

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

कांग्रेस पार्टी की जिला अध्यक्ष हेनरीता राजीव सिंह का कांग्रेस पार्टी के जिला महासचिव शेख अंजार के मोहल्ला शाहजहीर स्थित निवास स्थान पर भव्य समारोह में फूल-मालाएं पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया।

इस मौके पर जिला अध्यक्ष हेनरीता राजीव सिंह ने कहा कि आज हमारा देश विकास, महंगाई, भ्रष्टाचार, के मामलों में सबसे आगे हैं।

इसका मुख्य कारण देश तथा प्रदेश में काबिज भाजपा की गलत नीतिया है। देश व प्रदेश की भाजपा सरकार धर्म के नाम पर आपस में बांटने का काम कर रही है। इसका जीता जागता उदाहरण मध्य प्रदेश सरकार में भाजपा के मंत्री विनय शाह द्वारा फोज सेवा में करनल सोफिया कुरैशी के बारे में की गई टिप्पणी है। आज जनता समझ चुकी है कि उनका हित कांग्रेस में सुरक्षित है।

कांग्रेस ही देशवासियों को भाजपा की भ्रष्ट नीतियों से छुटकारा दिला सकती है। कांग्रेस पार्टी के बढ़ते जनाधार से महसूस होने लगा है कि देश तथा प्रदेश की जनता भारतीय जनता पार्टी के शासन से छुटकारा पाना चाहती है।

स्वागत समारोह कार्यक्रम को पूर्व आईएएस आरके सिंह, पूर्व राज्य मंत्री ओमवती, वरिष्ठ अधिवक्ता मोहम्मद आरिफ़ खान ,फरीद खान एडवोकेट, चेयरमैनो के जिलाध्यक्ष शेख शाहनवाज खलील कांग्रेस अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला महामंत्री मास्टर अली हसन उस्मानी, काजी अरशद मसूद ऊर्फ़ शन्नू भाई, एडवोकेट अभिषेक मिश्रा, इश्तियाक अहमद उर्फ बाबू लाठी वाले,अब्दुल वाहिद अंसारी, डॉक्टर मनोज शर्मा, अभिषेक मिश्रा, अकील शम्सी, अज़मल उस्मानी, नजाकत कंभोर, वसीम अख्तर,आदि ने संबोधित किया।

स्वागत समारोह का संचालन शेख मोहम्मद अंजार ने व अध्यक्षता बाबू इश्तियाक अहमद लाठी वाले ने की हैं। अब्दुल वाहिद अंसारी को नगीना कांग्रेस पार्टी का नगर अध्यक्ष बनाया गया फरीद खान एडवोकेट बढ़ापुर को कांग्रेस पार्टी का नगर अध्यक्ष बनाया गया कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दोनों अध्यक्ष का फूल मालाओं से स्वागत किया सैकड़ो लोगों ने अन्य पार्टी छोड़कर कांग्रेस पार्टी का दामन थामा और आर के सिंह ने सभी का फूल मालाओं से स्वागत किया स्वागत समारोह में लगभग एक हज़ार लोग मौजूद थे।

हाई स्कूल बोर्ड की परीक्षा में जिला टॉपर यशी को शिक्षा परिवार ने भेंट की स्कूटी

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

राजेश्वरी मॉडर्न पब्लिक इंटर कॉलेज में हाईस्कूल की जिला टॉपर यासी को सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया।

शीशा परिवार की ओर से जिला टॉपर यासी को एक स्कूटी संप्रेम भेंटकर सम्मानित किया गया।

जानकारी के अनुसार राजेश्वरी मॉडर्न पब्लिक इंटर कॉलेज कश्मीरी में हाईस्कूल की जिला टॉपर यासी की उपलब्धि को लेकर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

इस मौके पर विशिष्ट अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी शेर सिंह ने कहा कि प्रत्येक बच्चे में प्रतिभा छुपी होती है।

बस इन छुपी हुई प्रतिभाओ को निखारने की आवश्यकता है।यासी ने हाईस्कूल बोर्ड की परीक्षा में जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करके कालेज व अपने परिवार का नाम रोशन किया है। राजेश्वरी मॉडर्न पब्लिक इंटर कॉलेज की छात्रा यासी ने यह सिद्ध करके दिखाया है कि ग्रामीण क्षेत्र के शैक्षिक संस्थान भी शैक्षिक श्तर पर अपना मुकाम रखते है।

ग्रामीण क्षेत्र के इस संस्थान ने ऐसी उपलब्धि हासिल की है कि ग्रामीण क्षेत्र के संस्थानों के लिए मिसाल बनकर भी उभरा है।प्रधानाचार्य अमित चौहान ने कहा कि उनके लिए गर्व की बात है कि उनके कालेज की छात्रा ने हाईस्कूल परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त कर उनके कालेज का नाम रोशन किया है।

गोमती देवी वेलफेयर सोसायटी के एमडी बिजेंद्र चौहान की ओर से उनके प्रतिनिधि गजेंद्र सिंह एडवोकेट ने यासी को एक स्कूटी संप्रेम भेंट देकर सम्मानित किया।

तीन दिन में सड़कों से अतिक्रमण हटा ले दुकानदार : ओम गिरी

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी ओमगिरी ने पॉलिथीन का प्रयोग करने वाले दुकानदारों को तत्काल इन्हें बंद करने के साथ साथ स्थाई अतिक्रमण को तीन दिन के भीतर हटाने के आदेश दिए। तथा चेतावनी देते हुए कहा कि आदेशों की अवहेलना करने पर बुलडोजर से अतिक्रमण हटाकर सामान जब्त कर लिया जायेगा।

अधिशासी अधिकारी ओमगिरि में एजेंसी चौराहा सहित कई स्थानों पर सड़क के दोनों और हो रहे अतिक्रमण को हटाने को कहा। उन्होंने दुकानदारों द्वारा पॉलीथिन का प्रयोग तत्काल बंद करने तथा इन्हें नष्ट करने की अपील की। इस दौरान उन्होंने अतिक्रमण न हटाने वाले दुकानदारों को चेतावनी देते हुए अतिक्रमण को बुलडोजर से हटाकर सामान जब्त करने की चेतावनी भी दी। उन्होंने दुकानदारों से पॉलीथिन को पूर्ण रूप से बंद करने को कहा तथा यह भी कहा कि यदि किसी भी दुकान पर पॉलीथिन मिलती है तो उसे जब्त कर दुकानदार से जुर्माना वसूला जाएगा। इस अवसर पर अतुल कुमार, शाहजेब आलम, सलीम अहमद, राजेश कुमार आदि पालिकाकर्मी मौजूद रहे।

निर्माणाधीन दीवार गिरने से छह वर्षीय मासूम की मौत

सैनी गांव में हुआ हादसा, सामान लेने निकला था बच्चा

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷

सैनी गांव में सोमवार को एक दर्दनाक हादसे में छह वर्षीय मासूम की जान चली गई। मासूम अपने घर से पास की दुकान पर सामान लेने गया था।

तभी राश्ते में एक निर्माणाधीन मकान की दीवार अचानक गिर गई। दीवार की ईंटें मासूम पर आ गिरीं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे के बाद गांव में मातम पसरा है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ईकोटेक-3 कोतवाली मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के मुताबिक सैनी गांव निवासी जान मोहम्मद का छह वर्षीय पुत्र आहान सोमवार दोपहर घर से कुछ सामान लेने के लिए पास की दुकान जा रहा था। इसी दौरान एक मकान के पास से गुजरते वक्त हादसा हुआ। गांव में एक व्यक्ति अपने मकान के पहले तल का निर्माण करा रहा है।

निर्माणाधीन मकान के सामने एक चार इंच की दीवार खड़ी की गई थी। जिसके पास दीवार से सटी हुई कुछ बल्ली छत पर रखी थीं।

अचानक बल्ली का संतुलन बिगड़ा और उसके वजन से दीवार खिसक गई। जिससे वह आहान पर गिर गईं।

स्थानीय लोग आनन-फानन में बच्चे को पास के निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और प्रारंभिक जांच के बाद मकान मालिक को हिरासत में लिया।

हालांकि बच्चे के परिजनों ने कोई कानूनी कार्रवाई कराने से इनकार कर दिया और पोस्टमॉर्टम भी नहीं कराया गया। एसीपी सेंट्रल नोएडा बीएस वीर ने बताया कि मामले में अब तक कोई लिखित शिकायत नहीं दी गई है। पुलिस ने पंचनामा की कार्रवाई पूरी कर शव परिजनों को सौंप दिया है।

महिला पर धारदार हथियार से हमला, प्रेमी पर आरोप

पति की शिकायत पर ईकोटेक-3 कोतवाली पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच में जुटी

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷

ग्रेनो वेस्ट के सेक्टर 16सी स्थित महागुन माई वुड सोसायटी में एक महिला पर जानलेवा हमले का मामला सामने आया है। पीड़िता के पति विवेक कुमार अहिरवार ने ईकोटेक-3 कोतवाली में एफआईआर दर्ज कराई है। उन्होंने अपनी पत्नी लक्ष्मी के कथित प्रेमी दुर्गेश शर्मा पर धारदार हथियार से गला रेतने और छाती पर वार करने का आरोप लगाया है।

रेलवे में कार्यरत विवेक कुमार के अनुसार उनकी पत्नी लक्ष्मी 16 मई को शाम के समय अपनी पड़ोसी मोनिका के साथ घरेलू सामान खरीदने के लिए बाजार गई थी।

घर पर उनका छोटा बेटा अकेला था। रात 9 बजे तक लक्ष्मी घर नहीं लौटी और फोन भी नहीं उठा तो वह चिंतित हो गए।

उन्होंने पत्नी के बारे में जानकारी प्राप्त करने का प्रयास किया, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। रात डेढ़ बजे पुलिस द्वारा उन्हें सूचित किया गया कि उनकी पत्नी न्यूमेड अस्पताल में भर्ती है। जब वह अस्पताल पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि उनकी पत्नी का गला धारदार हथियार से रेता गया था।

न्यूमेड अस्पताल के कर्मचारियों के अनुसार पत्नी को शाम को एक व्यक्ति सैनी गोल चक्कर से लेकर आया था। जब अस्पताल के कर्मचारियों ने घटना के बारे में पूछा, तो वह व्यक्ति मरीज को छोड़कर भाग गया और अपनी गाड़ी भी छोड़ गया।

डॉक्टरों की सलाह के बाद विवेक अपनी पत्नी को मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल सेक्टर 128 नोएडा में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने उनकी स्थिति गंभीर बताई है। एसीपी सेंट्रल नोएडा बीएस वीर का कहना है कि मामले में अस्पताल से मेमो प्राप्त हुआ था। शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

विवेक का आरोप है कि पत्नी और आरोपी दुर्गेश शर्मा के बीच पूर्व से संबंध थे। दुर्गेश शर्मा गाजियाबाद का निवासी है। वह पहले भी पत्नी के साथ झगड़ा कर चुका था। पीड़ित और उनकी पत्नी को जान से मारने की धमकी दे चुका था।

विवेक का अनुमान है कि दुर्गेश ने उनकी पत्नी को बुलाया। जो सैनी गोल चक्कर के पास किराये पर रहता है और जान से मारने की नीयत से धारदार हथियार से हमला कर दिया। विवेक का कहना है कि वह और उनके बच्चे भयभीत हैं। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की है।

ताइक्वांडो खिलाड़ी सुनैना ने उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल किया प्राप्त

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो ऑफिशियल चैंपियनशिप 2025 का आयोजन मॉडर्न एकेडमी गोमती नगर लखनऊ में किया गया। इस ताइक्वांडो चैंपियनशिप में नहटौर ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एकेडमी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही एसएनएसएम इंटर कॉलेज की छात्रा सुनैना ने जूनियर वर्ग के अंडर 49 किलोग्राम में ब्राउज मेडल पर कब्जा किया।

प्राप्त समाचार के अनुसार जिला बिजनौर ताइक्वांडो एसोसिएशन की ओर से नहटौर ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एकेडमी के कोच तथा नेशनल रेफरी चमन सैनी को जिला बिजनौर की ओर से सीनियर कोच बनाकर भेजा गया। कोच चमन सैनी ने बताया कि सुनैना ने इस चैंपियनशिप से पहले भी ओपन स्टेट ताइक्वांडो चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल प्राप्त किया है। जिला बिजनौर ताइक्वांडो एसोसिएशन के सचिव राजू राजपूत जी तथा एसएनएसएम इंटर कॉलेज के प्रबंधक महोदय दर्पण त्यागी जी ने खिलाड़ी सुनैना को तथा उनके अभिभावकों को बधाई देते हुए खिलाड़ी के उज्जवल भविष्य की कामना की।

नोएडा में बनेगा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का भव्य 'ओम भवन', भूमि पूजन विधिवत सम्पन्न

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

लंबे इंतजार के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रयास अब मूर्त रूप लेते नजर आ रहे हैं। नोएडा में संघ का एक भव्य और विशाल भवन बनने जा रहा है।

नोएडा के सेक्टर-33 में वैदिक मंत्रोच्चार और विधिवत पूजन के साथ भूमि पूजन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। संघ के नगर कार्यवाह सतेन्द्र सिंह और संघ चालक दिनेश गोयल ने जानकारी दी कि इस्कॉन मंदिर के पीछे लगभग 1400 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में आठ मंजिला 'ओम भवन' का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह भवन संघ के सामाजिक, शैक्षिक और वैचारिक कार्यों का केंद्र बनेगा। भूमि पूजन कार्यक्रम में संघ और भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस अवसर पर क्षेत्रीय संघ चालक सूर्य प्रकाश टोंक, पश्चिम क्षेत्र के प्रचार प्रमुख कृपा शंकर, प्रांत प्रचारक अनिल, सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा, नोएडा के विधायक पंकज सिंह, भाजपा के राष्ट्रीय सचिव व प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल, भाजपा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर, राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष विमला बाथम सहित कई गणमान्य अतिथि मौजूद थे। 'ओम भवन' का निर्माण संघ के विचारों और संस्कारों को आगे बढ़ाने का एक प्रमुख केंद्र बनेगा, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा। 8 मंजिला इस ओम भवन के अंदर सभी अत्याधुनिक सुविधाएं मौजूद होंगी और साथ ही साथ यह आध्यात्म और सकारात्मक विचारों के साथ-साथ शैक्षणिक गुणवत्ता को बढ़ाने का एक अनोखा भवन होगा। इसमें बने कमरों में संघ से जुड़े लोगों का प्रवास भी होगा और यहां पर रहकर वह विचारों का आदान-प्रदान कर सकेंगे। एनसीआर में आरएसएस का यह दूसरा भवन होगा, जो आधुनिक सुविधाओं से लैस होने के साथ-साथ सैकड़ों गाड़ियों की पार्किंग की सुविधा से भी लैस होगा।

कार की टक्कर से डिलीवरी ब्वॉय की मौत

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

सेक्टर-76 मेट्रो स्टेशन के पास अज्ञात कार की टक्कर लगने से स्कूटी सवार डिलीवरी ब्वॉय घायल हो गया।

अस्पताल में उपचार के दौरान डिलीवरी ब्वॉय की मौत हो गई। पति के अंतिम संस्कार के बाद पत्नी ने सेक्टर-49 थाने में अज्ञात चालक के खिलाफ केस दर्ज कराया है। पश्चिम बंगाल के वुंसीहारी निवासी बेबी राय ने पुलिस बताया कि उनकी शादी दीपू सरकार से हुई थी। दोनों शादी के बाद नोएडा चले आए और बरौला में किराये पर रहने लगे। दीपू कंपनी में डिलीवरी ब्वॉय का काम करके परिवार का भरण पोषण कर रहे थे। दीपू 10 मई की सुबह सेक्टर-76 मेट्रो स्टेशन की तरफ अपनी स्कूटी से सामान की डिलीवरी करने जा रहे थे। वह मेट्रो स्टेशन के पास पहुंचे तो पीछे से तेज रफ्तार कार आई और दीपू की स्कूटी में टक्कर मार दी।

संपादकीय

उनके शब्द ने उलझा दिया देवड़ा जी को

अभी मध्य प्रदेश के आदिवासी मंत्री विजय शाह के कर्नल सोफिया पर दिए गए विवादास्पद बयान की स्याही सूखी भी नहीं थी कि प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के एक बयान ने राजनीति में फिर से तूफान ला दिया। जबलपुर में सिविल डिफेंस वॉलिंटियर्स के प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने अपने बयान में कहा मन में बहुत क्रोध था जो दृश्य उन्होंने देखा कि जो पर्यटक के रूप में गए थे घूमने गए थे और वहां चुन चुनकर धर्म पूछ-पूछ कर करके महिलाओं को एक तरफ खड़ा करके उनके सामने गोली मारी, बच्चों के सामने गोली मारी, उस दिन से बहुत तनाव था पूरे देश के लोगों के दिमाग में कि जब तक इसका बदला नहीं लिया जाएगा और जिन माताओं के सिंदूर को मिटाने का काम जिन आतंकवादियों ने किया और आतंकवादियों को जिन्होंने पाला जो पाल रहे उनको नेस्तनाबूत नहीं कर देंगे तब तक चैन की साथ नहीं लेंगे।

मैं यशस्वी प्रधानमंत्री को धन्यवाद देना चाहूंगा और पूरा देश, देश की वो सेना वो सैनिक उनके चरणों में नतमश्तक है है उनके चरणों में पूरा देश नतमश्तक है उन्होंने जो जवाब दिया उसकी जितनी सराहना की जाए एक बार उनके लिए, जोरदार तालियां बजाकर स्वागत कीजिए।

जैसे ही जैसे ही यह बयान मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ के निजी चैनल आईबीसी 24 में जारी हुआ वैसे ही पूरे राजनीतिक जमात में हड़कंप मच गया। आरोप की झड़ी लग गई कि उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने सेना का अपमान कर दिया किया देखते ही देखते उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा तमाम चैनलों और सोशल मीडिया के निशाने पर आ गए इधर जैसे ही उनका यह बयान वायरल हुआ कलेक्टर जबलपुर दीपक सक्सेना की ओर से इस एक खंडन जारी किया गया जिसमें कहा गया कि उपमुख्यमंत्री के बयान को गलत संदर्भ में पेश किया गया जिससे भ्रम की स्थिति निर्मित हुई लेकिन जब तक ये खंडन जारी हुआ तब तक देश के तमाम रीजनल और राष्ट्रीय चैनलों में यह खबर सुर्खियों में आ गई।

जाहिर है कि जैसे ही यह खबर सुर्खियों में आई कांग्रेस ने इसे लपक लिया और तमाम बड़े नेताओं ने जिसमें प्रियंका गांधी, सुप्रिया श्रीनेत, विवेक तंखा जीतू पटवारी जैसे नेताओं ने कहा कि जगदीश देवड़ा द्वारा सेना का अपमान अत्यंत शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण है इस देश की सेना और सैनिक प्रधानमंत्री मोदी के चरणों में नतमश्तक है सेना के शौर्य का अपमान है विवेक तंखा ने कहा आप क्या कह रहे हैं देवड़ा जी मोदी जी और देश की जनता हमारे वीर सेना के प्रति समर्पित और नतमश्तक है आप लोग देश की और सुरक्षा एजेंसियों का मनोबल क्यों गिरा रहे हैं?कांग्रेस के इस बयान पर भाजपा नेताओं ने भी अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की और इसे कांग्रेस का राजनीतिक षड्यंत्र बताया।

सवाल इस बात का है कि उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने वाश्तव में क्या कहा और वह वाश्तव में क्या कहना चाहते थे, लेकिन यदि हिंदी व्याकरण के संज्ञा और सर्वनाम के हिसाब से देखा जाए तो संज्ञा किसी व्यक्ति वश्तु या स्थान के लिए प्रयुक्त की जाती है और अगर उसे पुनः व्यक्त करना है तो उसके लिए सर्वनाम का उपयोग किया जाता है।

जगदीश देवड़ा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री को धन्यवाद देना चाहेंगे और देश की सेना वे सैनिक उनके चरणों में नतमश्तक हैं यानी उनके शब्द का प्रयोग प्रधानमंत्री के लिए सर्वनाम के रूप में उपयोग किया गया था। यह सर्वनाम अन्य पुरुष के रूप में प्रयोग किया जाता है जिसमें इनके, उनके, इनका, उनका ,जैसे शब्द शामिल हैं यदि जगदीश देवड़ा इस वाक्य को इस तरह से कहते कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री ने देश की सेना को खुली छूट दी थी जिसके परिणाम स्वरूप देश की सेना ने जो शौर्य और वीरता दिखाई उसके लिए उस सेना और उन तमाम सैनिकों के सामने पूरा देश नतमश्तक है इस वाक्य से सेवा के शौर्य को सलाम होता, लेकिन चूंकि प्रधानमंत्री को हम धन्यवाद देना चाहेंगे।

पूरा देश, देश की वो सेना वो सैनिक उनके चरणों में नतमश्तक है है यहीं आकर सारा मामला बिगड़ गया क्योंकि उनके शब्द को प्रधानमंत्री से जोड़ दिया यानी संज्ञा और सर्वनाम के बीच का जो छोटा सा अंतर होता है उस अंतर ने प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा को झमेले में फंसा दिया यद्यपि वे अपनी सफाई में स्पष्ट कह रहे हैं कि कांग्रेस मुद्दा विहीन है और इस तरह की बयान बाजी कर रही है वे कार्यवाही के लिए शिकायत भी करेंगे। कुल मिलाकर यदि देखा जाए तो सर्वनाम के एक शब्द उनके ने इस पूरे मसले को हवा दे दी दरअसल शब्दों का चयन सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होता हैं जिस तरह से शब्दों का चयन विजय शाह ने किया था। जो विवाद का विषय बना इस तरह शब्दों का चयन उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा किए जाने के कारण यह पूरा मामला देश के मीडिया में छा गया ,चूंकि वर्तमान में सेना के शौर्य और पराक्रम को लेकर पूरे देशवासियों के दिलों दिमाग में बेहद सकारात्मक छवि बनी हुई है ऐसे में जगदीश देवड़ा के बयान ने सेना के मनोबल को गिराने का मुद्दा बना लिया देखना ये है कि अब इस मुद्दे पर राजनीति कहां तक पहुंचती है। भारतीय जनता पार्टी इस पर क्या एक्शन लेती है यह भविष्य के गर्भ पर निर्भर करता है।

अब चीन से आयात नियंत्रण जरूरी

डा. जयंतीलाल भंडारी

यकीनन पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिश्तान के खिलाफ भारत की कार्रवाई पर चीन पाकिश्तान के साथ खड़ा दिखाई दिया। चीन ने न केवल पाकिश्तान को पूर्ण समर्थन दिया, वरन् चीन ने पाकिश्तान को मिसाइलों सहित विभिन्न हथियारों की सीधी आपूर्ति भी की। दुनिया में रेखांकित हो रहा है कि चीन निर्मित जिन हथियारों का पाकिश्तान ने भारत के खिलाफ प्रयोग किया, वे सभी हथियार जल, थल और नभ में मौजूद पराक्रमी भारतीय सेना और प्रभावी भारतीय सैन्य व्यवस्था को किसी भी प्रकार की हानि पहुंचाने में नाकाम रहे। चीन अप्रत्यक्ष रूप से भारत को तेजी से आर्थिक शक्ति बनने से रोकना चाहता है।

ऐसे में अब भारत के द्वारा पाकिश्तान पर आर्थिक प्रतिबंधों की कड़ाई के साथ भारत के साथ शत्रुपूर्ण आचरण कर रहे चीन से वर्ष-प्रतिवर्ष तेजी से बढ़ते हुए आयातों को नियंत्रित करके चीन को भी आर्थिक सबक दिया जाना जरूरी है। हाल ही में प्रकाशित नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक चीन के साथ द्विपक्षीय कारोबार में भारत लगातार घाटे की स्थिति में बना हुआ है। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में चीन को भारत का निर्यात 14.5 प्रतिशत घटकर 14.25 अरब डॉलर रह गया, जबकि 2023-24 में यह 16.66 अरब डॉलर था।

इतना ही नहीं, चिंताजनक यह भी है कि चीन से 2024-25 में आयात 11.52 प्रतिशत बढक़र 113.45 अरब डॉलर हो गया, जबकि 2023-24 में यह 101.73 अरब डॉलर था। चीन के साथ व्यापार घाटा पिछले वित्त वर्ष में करीब 17 प्रतिशत बढक़र 99.2 अरब डॉलर हो गया, जो 2023-24 में 85.07 अरब डॉलर था। चीन 2024-25 में 127.7 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार के साथ भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रहा। दोनों देशों के बीच 2023-24 में 118.4 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार हुआ था।

चीन पर निर्भरता कम करने के जो रणनीतिक कदम उठाए गए हैं, उनका अभी जमीनी तौर पर कोई विशेष असर नहीं दिखा है। अब आतंकी देश पाकिश्तान को विश्व मंच पर खुला समर्थन दे रहे चीन के साथ कोई छह माह पूर्व भारत ने मित्रता की जिस राह को आगे बढ़ाया था, अब उस राह को रोकते हुए चीन के साथ कारोबार असंतुलन को कम करने के लिए हरसंभव कदम उठाए जाने जरूरी हैं। गौरतलब है कि पिछले वर्ष 31 अक्टूबर को खुशियों के महापर्व दीपावली के दिन भारत-चीन सीमा पर भारत-चीन दोनों देशों के सैनिकों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर दीपावली मनाई थी।

इस खुशी का कारण यह था कि पिछले वर्ष 23 अक्टूबर को रूस के कजान में 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच सार्थक और सफल द्विपक्षीय वार्ता हुई और पांच साल बाद हुई इस वार्ता में दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया था। दोनों नेताओं ने पूर्वी लद्दाख में वाश्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सैन्य गतिरोध को हल करने के लिए समझौते का स्वागत किया और अधिकारियों को लद्दाख में सीमा विवाद सुलझाने के लिए आगे बातचीत जारी रखने के निर्देश दिए। यही कारण रहा कि इस वार्ता के बाद सैन्य श्तर पर तत्परतापूर्वक क्रियान्वयन के साथ डेमचोक और डेपसांग मैदानी क्षेत्रों में टकराव वाले बिंदुओं से सैनिकों की पूर्ण वापसी के बाद से लगातार पेट्रोलिंग हो रही है।

यद्यपि चीन से भारत के नए सैन्य समझौते के बाद भारत को चीन से आयातों के ढेर से बचने के लिए फूंक-फूंक कर कदम रखना जरूरी दिखाई दे रहा थे, लेकिन भारत ऐसा नहीं

कर पाया और चीन से आयात माह-प्रतिमाह बढ़ते गए हैं। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि चीन पाकिश्तान को आतंकी प्रोत्साहन देते हुए भारत की तेजी से बढ़ती आर्थिकी की राह में बाधक बनना चाहता है। चीन देख रहा है कि भारत आर्थिकी को तेजी से आगे बढ़ा रहा है और भारत अपनी बढ़ती आर्थिक साख व आर्थिक तेजी से इसी वर्ष 2025 में दुनिया की चौथी सबसे बड़ी आर्थिकी बनते हुए दिखाई देगा।

6 मई को प्रकाशित अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की विश्व आर्थिक परिदृश्य से जुड़ी रिपोर्ट के अनुसार, भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढऩे वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। इसी वर्ष 2025 के अंत तक भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन जाएगा। उस समय देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) बढक़र 4.187 ट्रिलियन डालर हो जाएगी और यह जापान की जीडीपी 4.186 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा होगी।

इतना ही नहीं, रिपोर्ट में कहा गया है कि विकास की ऊंची दर से भारत की जीडीपी 2028 में बढक़र 5.584 ट्रिलियन डॉलर हो जाएगी और भारत जर्मनी को पीछे छोडक़र दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। इसी तरह हाल ही में वैश्विक रेटिंग एजेंसी मॉर्निंगस्टार डीबीआरएस ने भारत की सॉवरेन रेटिंग को निम्नतम निवेश ग्रेड 'बीबीबी ;कमद्धष से एक पायदान ऊपर उठाकर ष्बीबीबीष कर दिया है। रेटिंग प्रवृत्ति को भी 'सकारात्मक' से 'स्थिर' कर दिया गया है।

इस रेटिंग एजेंसी ने उन्नयन के लिए बुनियादी ढांचे में निवेश और डिजिटलीकरण, राजकोषीय समेकन, व्यापक आर्थिक स्थिरता के साथ सतत उच्च विकास और एक लचीली बैंकिंग प्रणाली के माध्यम से देश के संरचनात्मक सुधारों का हवाला दिया है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि दुनिया के उभरते हुए देशों की तुलना में भारत की अर्थव्यवस्था सबसे तेजी से आगे बढ़ रही है। माह अप्रैल 2025 में वश्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का संग्रह 2.09 लाख करोड़ रुपए श्तर पर पहुंच गया, जो किसी महीने अभी तक का सर्वाधिक रिकॉर्ड राजस्व है। पिछले वर्ष 2024-25 में जीएसटी और इनकम टैक्स संग्रहण रिकॉर्ड ऊंचाई पर रहा है।

निश्चित रूप से भारत को आर्थिक रूप से आगे बढऩे से रोकने और भारत के साथ शत्रुपूर्ण व्यवहार कर रहे चीन से व्यापार घाटा कम करने के लिए सरकार के द्वारा और अधिक कारगर प्रयास करने होंगे। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि पिछले एक दशक से स्वदेशी उत्पादों को हरसंभव तरीके से प्रोत्साहित करके चीन से आयात घटाने के प्रयास हुए हैं।

वर्ष 2019 और 2020 में चीन से तनाव के कारण जैसे-जैसे चीन की भारत के प्रति आक्रामकता और विश्तारवादी नीति सामने आई, वैसे-वैसे स्थानीय उत्पादों के उपयोग की लहर देश भर में बढ़ती हुई दिखाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा बार-बार स्थानीय अर्थव्यवस्था का समर्थन करने और वोकल फॉर लोकल मुहिम के प्रसार ने स्थानीय उत्पादों की खरीदी को पहले की तुलना में अधिक समर्थन दिया है। अब एक बार फिर से देश के करोड़ों लोगों को चीनी उत्पादों की जगह स्वदेशी उत्पादों के उपयोग के नए संकल्प के साथ आगे बढऩा होगा।

हम उम्मीद करें कि भारत के द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिश्तान पर प्रचंड प्रहार के दौरान पाकिश्तान के द्वारा जिस तरह चीन के अस्त्र-शस्त्रों का प्रयोग हुआ है, उसके मद्देनजर भारत के द्वारा अब पाकिश्तान को आर्थिक प्रतिबंधों से पश्त करते हुए चीन से भी हरसंभव तरीके से आयात नियंत्रण किए जाएंगे।

निश्चित रूप से चीन के लिए भारत के व्यापक बाजार में आयातों में कमी एक आर्थिक प्रहार के रूप में दिखाई देगी और इससे भारत के स्वदेशी उद्योग तथा एमएसएमई लाभान्वित होते हुए भी दिखाई देंगे।

(लेखक विख्यात अर्थशास्त्री है)

नेताओं के बिगड़े बोल से आहत होती राष्ट्रीयता

ललित गर्ग

सेना के शौर्य पर सम्मान की बजाय अपमान के बिगड़े बोल को लेकर राजनीतिक घमासान छिड़ जाना स्वाभाविक है। कर्नल सोफिया और विंग कमांडर ब्योमिका सिंह के संबंध में क्रमशः मंत्री विजय शाह और सपा महासचिव राम गोपाल यादव द्वारा की गई टिप्पणियों पर राजनीतिक विवाद और कानूनी कार्रवाई की मांग तेज हो गई है।

बड़ा प्रश्न है कि क्या धर्म और जाति के नाम पर वोट के लिए सेना और सेना से जुड़ी बेटियों के सम्मान को चोट पहुंचाई जाना उचित है? चाहे सत्ता पक्ष हो या विपक्ष वाणी का संयम अपेक्षित है। भारतीय राजनीति में बिगड़े बोल, असंयमित भाषा एवं कड़ावपन की मानसिकता चिन्ताजनक है। ऐसा लगता है ऊपर से नीचे तक सड़कछाप भाषा ने अपनी बड़ी जगह बना ली है। यह ऐसा समय है जब शब्द सहमे हुए हैं, क्योंकि उनके दुरूपयोग की घटनाएं लगातार जारी हैं।

जब देश पहलगाम की त्रासद घटना एवं उसके बाद पाकिश्तान से बदला लेने की शौर्य की महत्वपूर्ण घटना के मोड़ पर खड़ा है, तब कुछ नेताओं के बिगड़े बोल बहुत दुखद और निंदनीय हैं। मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार के एक मंत्री विजय शाह एवं समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव के खिलाफ गुस्सा बढ़ता जा रहा है। विजय शाह को राज्य मंत्रिमंडल से हटाने की मांग तेज हो गई है।

कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ विजय शाह की विवादास्पद टिप्पणी एक ऐसा दाग है, जिसे आसानी से नजरंदाज नहीं किया जा सकता। यह मामला सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचा और मामला भी दर्ज हो गया, तो आश्चर्य नहीं । देश के नेताओं व मंत्रियों को ऐसी हल्की और श्तरहीन बातों से परहेज करना चाहिए।

नफरती सोच एवं हेट स्पीच का बाजार बहुत गर्म है। राजनीति की सोच ही दूषित एवं घृणित हो गयी है। नियंत्रण और अनुशासन के बिना राजनीतिक शुचिता एवं आदर्श राजनीतिक मूल्यों की कल्पना नहीं की जा सकती।

नीतिगत नियंत्रण या अनुशासन लाने के लिए आवश्यक है सर्वोपरि राजनीतिक श्तर पर आदर्श स्थिति हो, अनुशासन एवं संयम हो, तो नियंत्रण सभी श्तर पर स्वयं रहेगा और इसी से देश एक आदर्श लोकतंत्र को स्थापित करने में सक्षम हो सकेगा। युद्ध जैसे माहौल में सेना एवं उसके नायकों का मनोबल बढ़ाने की बजाय उनके साहस एवं पराक्रम पर छींटाकशी करना दुर्भाग्यपूर्ण है।

चर्चा में बने रहने के लिए ही सही, राजनेताओं के विवादित बयान गाहे-बगाहे सामने आ ही जाते हैं, लेकिन ऐसे बयान एक ऐसा परिवेश निर्मित करते हैं जिससे राजनेताओं एवं राजनीति के लिये घृणा पनपती है। यह सही है कि शब्द आवाज नहीं करते, पर इनके घाव बहुत गहरे होते हैं और इनका असर भी दूर तक पहुंचता है और देर तक रहता है। इस बात को राजनेता भी अच्छी तरह जानते हैं इसके बावजूद जुबान से जहरीले बोल सामने आते ही रहते हैं।

यह चिंताजनक है कि इधर के वर्षों में कुछ भी बयान दे देने की बुरी आदत बढ़ रही है। बिगड़े बोल वाले नेता बेलगाम हो रहे हैं। कोई दो राय नहीं कि पहले राजनीतिक दलों और उसके बाद सरकारों को इस मोर्चे पर अनुशासन एवं वाणी संयम का बांध बांधना चाहिए। विजय शाह करीब आठ बार चुनाव जीत चुके हैं, मतलब, अनुभवी नेता हैं, तो क्या वह चर्चा में रहने के लिए बिगड़े बोल का सहारा लेते हैं? सर्वोच्च न्यायालय में खिंचाई के बाद अब वह सफाई देने में लगे हैं।

उन्होंने स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा है

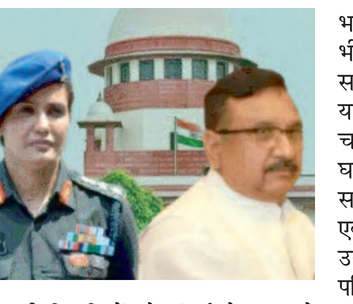

कि उनकी टिप्पणियों को संदर्भ से बाहर ले जाया गया और उनका मकसद कर्नल कुरैशी की बहादुरी की प्रशंसा करना था। उन्होंने यह भी कहा कि कर्नल सोफिया कुरैशी मेरी सगी बहन से भी बढ़कर हैं। वह माफी भी मांग रहे हैं, तो साफ है कि उनका पद खतरे में है। अगर वह पहले ही सावधानी बरतते या गलती होते ही माफी मांग लेते, तो मामला इतना नहीं बढ़ता।

विजय शाह का मामला थमा भी नहीं है कि मध्य प्रदेश के ही उप- मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने भी बिगड़े बोल को अंजाम दे दिया है। उनका मानना है कि देश की सेना प्रधानमंत्री के सामने नतमश्तक है।

वाश्तव में, ऐसी गलतबयानी से किसी के भी सम्मान में वृद्धि नहीं होती है। देश अभी-अभी एक संघर्ष से निकला है। यह एकजुटता और परस्पर समन्वय बढ़ाने के लिए संभलकर बोलने का समय है। राष्ट्रीय एकता एवं राजनीतिक ताने-बाने को ध्वश्त कर रहे जहरीले बोल की समस्या दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है।

संकीर्णता एवं राजनीति का उन्माद एवं 'हेट स्पीच' के कारण न केवल विकास बाधित हो रहा है, सेना का मनोबल प्रभावित हो रहा है, बल्कि देश की एकता एवं अखण्डता भी खण्ड-खण्ड होने के कगार पर पहुंच गयी है। राजनेताओं के नफरती, उन्मादी, द्वेषमूलक और भड़काऊ बोलों को लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने भी कड़ी टिप्पणियां की है। भाषा की मर्यादा सभी श्तर पर होनी चाहिए। कई बार आवेश में या अपनी बात कहने के चक्कर में शब्दों के चयन के श्तर पर कमी हो जाती है और इसका घातक परिणाम होता है। मुद्दों, मामलों और समस्याओं पर बात करने की बजाय जब नेता एक-दूसरे पर निजी हमले करने लगें तो यह उनकी हताशा, निराशा और कुंठा का ही परिचायक होता है।

यह आज के अनेक नेताओं की आदत सी बन गई है कि एक गलती या झूठ छिपाने के लिए वे गलतियों और झूठ का अंबार लगा देते हैं। क्या यह सत्ता का अहंकार एवं नशा है? संसद में गलती एक बार अटल बिहारी वाजपेयी से भी हुई थी, उन्होंने तत्काल सुधार करते हुए कहा था कि चमड़े की जुबान है, फिसल जाती है। बेशक, अच्छा नेता वही होता है, जो गलतियां नहीं करता और अगर गलती हो जाए, तो तत्काल सुधारता है।

जिम्मेदार पदों पर बैठे नेताओं को हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि उनके अच्छे-बुरे बोल व गलत-सही कारनामे इतिहास में दर्ज हो रहे हैं। ध्यान रखना होगा, पहले केवल शब्द वायरल होते हैं, पर अब शब्द के साथ वीडियो भी वायरल होता है।

ध्यान रहे, समय के साथ मीडिया का बहुत विश्तार हुआ है और उसका एक बड़ा हिस्सा ऐसी ही गलतबयानी का भूखा है। उसे ऐसे ही बिगड़े बोल वाले कंटेंट की तलाश है। अतः कम से कम देश के जिम्मेदार दलों के नेताओं को कोई भी राष्ट्र-विरोधी अप्रिय या प्रतिकूल ध्वनि नहीं पैदा करनी चाहिए।

अनेक राजनीतिक दलों के नेता ऐसे वक्तव्य देते हैं और विवाद बढ़ता देख बाद में सफाई देने से भी नहीं चूकते। वोट के लिए धर्म, सम्प्रदाय, जाति, समाज किसी को भी नहीं छोड़ा जा रहा। पार्टी कोई सी भी हो, नेता अपने विरोधियों के खिलाफ जहर उगलने से नहीं चूकते लेकिन सेना नायकों पर टिप्पणियां बहुत ही घातक है।

नेता चाहे सत्ता पक्ष से जुड़े हों या प्रतिपक्ष से, अक्सर वाणी असंयम एवं बिगड़े बोल में हदें पार कर देते हैं। सुप्रीम कोर्ट के समय-समय पर दिए गए निर्देशों की भी इन्हें परवाह नहीं है। पूरे विश्व में आज जब हिंदुश्तान का डंका बज रहा है, तो देश के भीतर और देश के बाहर बैठी 'भारत विरोधी शक्तियां' एकजुट होकर राष्ट्रीय एकता एवं लोकतांत्रित मूल्यों के ताने-बाने को क्षत-विक्षित करना चाहती है। ऐसी शक्तियां किसी भी तरह भारत से विकास का एक कालखंड छीन लेना चाहती हैं।

उन्हें नेताओं के बिगड़े बोलों से ऊर्जा मिलती है। सोचने की बात तो यह है कि राजनीतिक भावनाओं एवं नफरती सोच को प्रश्रय देने वाले नेताओं का भविष्य भी खतरे से खाली नहीं हैं। उनका भविष्य कालिमापूर्ण है। उनकी नफरती कोशिशों पर देश एवं दुनिया की नजरे टिकी हैं। वे क्या बोलते हैं, क्या सोचते हैं, इसी से भारतीय लोकतंत्र की गरिमा दुनिया में बढ़ सकती है।

जरूरत है कि हमारे राजनीति दल अपनी सोच को परिपक्व बनाये, मतभेदों को स्वीकारते हुए मनभेद को न पनपने दे। "राजनीतिक सिस्टम" की रोग मुक्ति, स्वस्थ समाज एवं राष्ट्र का आधार होगा। राष्ट्रीय चरित्र एवं राजनीतिक चरित्र निर्माण के लिए नेताओं एवं उनके दलों को आचार संहिता से बांधना ही होगा। अब तो ऐसा भी महसूस होने लगा है कि देश की दंड व्यवस्था के तहत जहां 'हेट स्पीच' या बिगड़े बोल को नये सिरे से परिभाषित करने की आवश्यकता है वहीं इस समस्या से निपटने के लिए 'हेट स्पीच' एवं बिगड़े बोल को अलग अपराध की श्रेणी में रखने के लिए कानून में संशोधन का भी वक्त आ गया है?

चार दिन की लड़ाई में कौन बेनकाब?

बलबीर पुंज

भारत-पाकिस्तान में चार दिन छिटपुट लड़ाई चली। इस दौरान जहां भारत ने अपने पड़ोसी के साथ संबंध की नई इबारत लिख दी, तो वही चीन का तिलिस्म फूट गया और अमेरिका की दोहरी नीति फिर बेनकाब हो गई। इस बीच देश का एक हिस्सा इस बात से नाराज हैं कि युद्ध में हावी भारत ने पाकिस्तान के साथ संघर्षविराम क्यों स्वीकार किया। 'ऑपरेशन सिंदूर' की कामयाबी को समझने का सही तरीका यह है कि भारत ने इस सैन्य अभियान में क्या मकसद तय किए थे और उन्हें कितना अच्छे से अंजाम दिया।

पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए जिहादी हमले में 25 हिंदुओं को मजहब पूछकर मारा गया। तब प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकियों को कल्पना से परे सजा देने का वादा किया। 6-7 मई की रात, भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' में पाकिस्तान के भीतर लश्कर और जैश जैसे संगठनों के नौ आतंकी ठिकानों पर 24 मिसाइलें दागीं, जिनमें 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए। बौखलाए पाकिस्तान ने टर्की-ईरानी ड्रोन और मिसाइलों से 26 भारतीय शहरों पर हमले किए और वे सभी नाकाम हो गए।

सीमावर्ती क्षेत्रों (कुपवाड़ा, बारामुल्ला, उरी, पुंछ, मेंढर और राजौरी सहित) में भीषण पाकिस्तानी गोलीबारी में कई आम नागरिक मारे गए। जवाब में भारत ने पाकिस्तानी की कई चौकियों के साथ स्कार्दू, लाहौर, कराची सहित 12 से अधिक पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों को सटीकता से निशाना बनाया।

घबराकर पाकिस्तान ने संघर्षविराम की गुहार लगाई, जिसे भारत ने अपनी शर्तों पर मंजूर किया। यह पूरी कार्रवाई बताती है कि भारत अब केवल आतंकियों को ही नहीं, आतंक के हर सरपरश्त को भी जवाब देने की नई नीति पर चल पड़ा है। 'ऑपरेशन सिंदूर' से कई स्पष्ट संदेश मिलते है।

अमेरिका की दोहरी नीति और भारत की ताकत

पहला-भारत और पाकिस्तान के संबंध अब पुराने ढर्रे पर नहीं, बल्कि नई शर्तों पर तय होंगे। पाकिस्तान की शह पर होने वाला कोई भी आतंकी हमला अब सीधे युद्ध की घोषणा माना जाएगा, और भारत उसकी जवाबी कार्रवाई बिना देर किए करेगा। 12 मई को प्रधानमंत्री मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन में यह साफ हुआ।

2008 के मुंबई हमलों में भारत सिर्फ 'कड़ी निंदा' करने तक सिमटा हुआ था, लेकिन 2016 और 2019 की सर्जिकल स्ट्राइक के बाद डंके की चोट पर भारत ने पाकिस्तान के भीतर जाकर जवाब दिया है।

मारे गए आतंकियों में मसूद अजहर के रिश्तेदार यूसुफ अजहर, मुदस्सिर अहमद और अब्दुल मलिक सहित कई पुराने जिहादी शामिल थे, जिनका नाम 9/11 और लंदन हमले जैसी अंतरराष्ट्रीय घटनाओं से भी जुड़ा रहा था।

दूसरा-पाकिस्तान का आतंकियों के साथ गठजोड़ खुलकर सामने आ गया। मारे गए जिहादियों को पाकिस्तानी झंडे में लपेटा गया, नमाजे-जनाजा में पाकिस्तानी फौज, पुलिस और नेता शामिल हुए।

अमेरिका द्वारा घोषित आतंकवादी हाफिज अब्दुल रऊफ के साथ पाकिस्तान के शीर्ष सैन्य अधिकारी जनाते का नेतृत्व कर रहे थे, जो ओसामा बिन लादेन प्रकरण के बाद फिर साबित करता है कि पाकिस्तान में आतंकवाद राजकीय नीति का हिस्सा है।

तीसरा-'ऑपरेशन सिंदूर' ने भारत की सैन्य ताकत को वैश्विक मंच पर सामने रख दिया। चार दिन चले इस अभियान में भारत ने फ्रांसीसी, रूसी और इजराइली हथियारों के साथ स्वदेशी सैन्य उपकरणों (रडार सहित) और वायुरक्षा प्रणाली (एडीएस) का प्रभावी प्रदर्शन किया। पाकिस्तान का चीनी एडीएस न केवल पूरी ध्वश्त हो गया, बल्कि बाजार में उपलब्ध चीनी माल की तरह खोखला और बेजान निकला।

भारत ने सटीक वार करते हुए यह दिखा दिया कि वह बिना आम नागरिकों को नुकसान पहुंचाए अपने किसी भी लक्ष्य को भेद सकता है। अब भारत केवल एक क्षेत्रीय ताकत नहीं, बल्कि वैश्विक रक्षा शक्ति बनता जा रहा है।

फिर भी देश का एक हिस्सा इस बात से असंतुष्ट है कि पाकिस्तान को पूरी तरह क्यों नहीं कुचला गया। इस निराशा के पीछे दो प्रमुख वजह रही। पहली-पाकिस्तान चार पारंपरिक युद्ध हारने के बाद 1980-90 के दशक से जिहादियों के सहारे भारत को हजार घाव देने की रणनीति पर काम कर रहा है। इसलिए देश का एक वर्ग चाहता है कि पाकिस्तान का हमेशा के लिए अंत कर दिया जाए-और उसे विश्वास है कि यह कार्य केवल प्रधानमंत्री मोदी ही कर सकते हैं।

दूसरी-कुछ टीवी चैनलों की गैर-जिम्मेदाराना और जरूरत से ज्यादा आक्रामक रिपोर्टिंग। जब कुछ न्यूज एंकरों ने अपनी भावनाओं को ही समाचार बना दिया-जैसे "इस्लामाबाद पर कब्ज़ा" या "लाहौर तबाह"-तो लोगों की अपेक्षाएं भी उतनी ही ऊंची हो गई। संक्षेप में कहें तो, मीडिया के एक हिस्से ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के वाश्तविक उद्देश्य को ही पीछे छोड़ दिया।

इस पूरे घटनाक्रम में अमेरिका का दोहरा चेहरा फिर बेनकाब हो गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह हास्यास्पद दावा किया कि 'भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम केवल अमेरिका से व्यापार के कारण हुआ'। क्या भारत-पाक के रिश्ते किसी व्यापारिक सौदे से तय होते हैं?-बिल्कुल नहीं। ट्रंप भी जानते हैं कि दोनों देशों के बीच का टकराव सांस्कृतिक और सभ्यतागत मूल्यों पर आधारित है। इसका प्रमाण हाल के पाकिस्तानी बयानों से भी मिलता है।

16 अप्रैल को पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने मुसलमानों को हर दृष्टि से हिंदुओं से श्रेष्ठ बताया था, तो 11 मई को उनकी सेना के प्रवक्ता लेफ्टि.जनरल अहमद शरीफ ने इस्लाम को पाकिस्तानी सैन्य प्रशिक्षण का अभिन्न हिस्सा बताया है। दरअसल, पाकिस्तानी सैन्य तानाशाह जनरल जिया-उल-हक ने अपनी सेना का आदर्श वाक्य बदलकर "ईमान, तकवा, जिहाद फि सबीलिल्लाह" कर दिया था-जो पाकिस्तान की कट्टर इस्लामी विचारधारा को दर्शाता है, जिसे इस्लामी आक्रांताओं की तरह 'काफिर-कुफ्र' अवधारणा से प्रेरणा मिलती है।

अमेरिका और उसके समर्थित दंतहीन संस्थाओं (संयुक्त राष्ट्र और आईएमएफ सहित) ने अपने स्वार्थ में हमेशा दोहरा रवैया अपनाया। 1971 में पाकिस्तान द्वारा हिंदू-बौद्ध नरसंहार के बावजूद अमेरिका ने उसका साथ दिया, पर भारत की विजय नहीं रोक सका। 1979-89 में अफगानिश्तान में सोवियत-विरोध के नाम पर 'जिहाद' को प्रोत्साहन देकर तालिबान को जन्म दिया।

2001 में 9/11 प्रकरण के बाद उसी तालिबान पर हमला किया और 2021 में उसी से समझौता कर पीछे हट गया। अमेरिका ने पाकिस्तान के हर सैन्य तानाशाह का समर्थन किया है।

वाश्तव में, अमेरिका के 'गुड तालिबान-बैड तालिबान' जैसे मानदंडों ने दुनिया को इस्लामी आतंकवाद और मजहबी कट्टरता के गहरे संकट में झोंक दिया है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और भाजपा के पूर्व राज्यसभा सांसद है)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

नौका विहार घूमने जाने से रोकना लोगों को पड़ा भारी, युवती ने खाया जहरीला पदार्थ

गोरखपुर, एजेंसी। तेतरिया की रहने वाली युवती को नौका विहार जाने को नहीं मिला तो उसने जहरीला पदार्थ खा लिया। तबियत बिगड़ने पर स्वजन सीएचसी से मेडिकल कालेज लेकर पहुंचे। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। सहजनवां थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तेतरिया निवासी राजेंद्र के घर वैवाहिक कार्यक्रम था। इसमें सभी रिश्तेदार भी जुटे थे। कार्यक्रम खत्म होने पर शुक्रवार को रिश्तेदार रामगढ़ताल स्थित नौका विहार घूमने की तैयारी कर रहे थे। राजेंद्र की इकलौती पुत्री संजू ने भी रिश्तेदारों के साथ जाने को कहा। लेकिन, स्वजन ने मना कर दिया।

इसके बाद वह नाराज होकर गेहूं में रखा जहरीला पदार्थ खा ली। थोड़ी देर बाद जब उसकी तबियत बिगड़ने लगी तो स्वजन को पता चला। आनन-फानन में सहजनवां सीएचसी लेकर गए, जहां गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल और फिर मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया। मेडिकल कालेज में उपचार के दौरान संजू की मौत हो गई। संजू की अभी शादी नहीं हुई थी। वह पांच भाई एक बहन थे।

बिहार के पश्चिमी चंपराण शिकारपुर का रहने वाला सत्य प्रकाश सिंह नौकायन से गायब हो गया। स्वजन को बताकर वह गुरुवार को घूमने निकला था। देर रात तक वापस नहीं आने पर पिता राजेश कुमार ने खोजबीन शुरु की। नहीं मिलने पर शुक्रवार को गुलरिहा थाने में तहरीर देकर अज्ञात के विरूद्ध अपहरण का केश दर्ज कराया।

राजेश ने बताया कि वह गुलरिहा के हरसेवकपुर नंबर दो कालोनी शताब्दीपुरम में परिवार के साथ किराए के मकान में रहते है। गुरुवार की शाम 5~30 बजे उनका बेटा सत्य प्रकाश सिंह नौकायन घूमने के लिए निकला था, लेकिन घर नहीं लौटा। आसपास ढूंढने के बाद भी उसका पता नहीं चला।

बेटे के पास जो मोबाइल फोन मौजूद है वह कभी बंद बता रहा है तो कभी चालू बता रहा है। चालू होने के दौरान फोन करने पर नहीं उठा रहा। गुलरिहा थाना प्रभारी जितेन्द्र सिंह ने बताया कि अपहरण का केस दर्ज कर किशोर की तलाश चल रही है।

यूपी में ऊर्जा निगम की बड़ी कार्रवाई, दो अधीक्षण और दो अधिशासी अभियंता निलंबित

मेरठ, एजेंसी। राजस्व वसूली में फिसड्डी रहने और उपभोक्ताओं की शिकायतों का संज्ञान न लेने वाले अधिकारियों के खिलाफ पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड प्रबंधन कड़ी कार्रवाई कर रहा है। पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की प्रबंध निदेशक ने वाणिज्यिक पैरामीटर्स में मानक के अनुरूप प्रदर्शन न करने वाले दो अधीक्षण अभियंता और दो अधीक्षण अभियंता को निलंबित कर दिया है।

चार अधीक्षण और 12 अधिशासी अभियंताओं को चार्ज शीट दी गई है। एमडी ने बताया कि कम राजस्व वसूली, लाइन हानि, ट्रांसफार्मरों की क्षतिग्रस्तता अधिक पाए जाने तथा उपभोक्ता के प्रति व्यवहार को आधार मान कर कार्रवाई की गई है। 19 वाणिज्यिक पैरामीटर्स की समीक्षा करने पर खराब रैंकिंग वाले वितरण खंडों में से विद्युत वितरण खंड-हस्तिनापुर, मेरठ और कैराना की रैंकिंग सबसे खराब पाई गई है।

प्रबंध निदेशक द्वारा लगातार समीक्षा बैठक और वीडियो कांफ्रेंसिंग में दिए गए निर्देशों के उपरांत भी प्रदर्शन असंतोषजनक पाए जाने पर अधिशासी अभियंता हस्तिनापुर भूपेंद्र सिंह, अधिशासी अभियंता कैराना पुनीत कुमार निगम को निलंबित किया गया है।

विद्युत वितरण मंडल द्वितीय मेरठ के अधीक्षण अभियंता धर्म विजय और शामली के अधीक्षण अभियंता राजेश तोमर निलंबित किया गया है।

प्रदेश में महंगी हो सकती बिजली, पावर कारपोरेशन की बड़ी तैयारी

लखनऊ, एजेंसी। पावर कारपोरेशन प्रबंधन की चली तो अबकी प्रदेशवासियों को महंगी बिजली का तगड़ा झटका लगेगा।

मौजूदा बिजली दरों से लगभग 9,206 करोड़ रुपये के घाटे को देखते हुए अब तक जहां औसतन 15 प्रतिशत तक बिजली महंगी होने का अनुमान लगाया गया था, वहीं वित्तीय संकट से जूझ रहे कारपोरेशन प्रबंधन को अब लगता है कि वास्तव में बिजली कंपनियों को तकरीबन 25 हजार करोड़ रुपये का घाटा होगा। ऐसे में घाटे की पूरी तरह से भरपाई के लिए विद्युत नियामक आयोग बिजली की दरों में 25 से 30 प्रतिशत तक बढ़ोतरी कर दे।

वैसे तो चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए पावर कारपोरेशन द्वारा पूर्व में बिजली कंपनियों के दाखिल किए गए 1,13,923 करोड़ रुपये के एआरआर (वार्षिक राजस्व आवश्यकता) प्रस्ताव को नियामक आयोग ने नौ मई को ही स्वीकार कर लिया था, लेकिन बिजली दर निर्धारण संबंधी प्रक्रिया शुरू करने से पहले ही कारपोरेशन प्रबंधन ने नए सिरे से एआरआर दाखिल करने के लिए आयोग से सप्ताह भर की मोहलत मांग ली।

सूत्रों के अनुसार, सोमवार को प्रबंधन द्वारा बिजली कंपनियों का संशोधित एआरआर आयोग में दाखिल कर दिया जाएगा। गौर करने की बात यह है कि नए सिरे से तैयार किया गया एआरआर लगभग 25 हजार करोड़ रुपये का होगा। एआरआर को 9,206 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 25 हजार करोड़ रुपये पहुंचते हुए कारपोरेशन प्रबंधन अब आयोग से मांग करेगा कि बिजली की दरों को इतना बढ़ाया जाए ताकि उसके घाटे की पूरी तरह से भरपाई हो जाए।

दरअसल, अब तक बिजली कंपनियों के खर्चे और कमाई को देखते हुए निकलने वाले राजस्व गैप के आधार पर बिजली की दरों का निर्धारण होता रहा है, लेकिन कारपोरेशन प्रबंधन का कहना है कि वास्तव में शत-प्रतिशत बिजली के बिल की वसूली नहीं हो पाती है।

ऐसे में वास्तविक वसूली को आधार मानते हुए बिजली की दरों को अबकी आयोग तय करे। जानकारों का कहना है कि 80 प्रतिशत से भी कम बिजली के बिल की वसूली हो पा रही है इसलिए बिल की जितनी धनराशि की वसूली नहीं हो पा रही है, उसकी भरपाई भी दरें बढ़ाकर की जाए।

जानकारों के मुताबिक यदि आयोग ने कारपोरेशन की बात को मानते हुए बिजली की दर तय की तो बिजली की मौजूदा दरों में औसतन 25 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ोतरी करनी पड़ेगी। गौरतलब है कि बिजली की मौजूदा दरें वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद से लागू हैं। लगभग छह वर्ष पहले औसतन 11.69 प्रतिशत बिजली की दरों में बढ़ोतरी की गई थी। पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 के एआरआर में बिजली कंपनियों ने वर्तमान बिजली दरों से 11,203 करोड़ रुपये का राजस्व गैप दिखाया था, लेकिन नियामक आयोग ने उपभोक्ताओं का ही 1944.72 करोड़ रुपये सरप्लस निकालते हुए लगातार पांचवें वर्ष बिजली की दरें न बढ़ाने संबंधी आदेश पिछले वर्ष 10 अक्टूबर को किया था।

केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण की टीम पहुंचेगी गोरखपुर, वन्यजीवों से लेगी नमूना

गोरखपुर, एजेंसी। प्राणि उद्यान में वन्यजीवों की मौत के बाद केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण दिल्ली की टीम रविवार को आएगी। इसमें इंडियन वेटनेरी रिसर्च इंस्टीट्यूट (आइवीआरआइ), बरेली और राष्ट्रीय उच्च पशु संस्थान, भोपाल के विशेषज्ञ भी शामिल हैं। यहां पहुंचने के बाद टीम अधिकारियों से पूछताछ करेगी और वन्यजीवों का नमूना संग्रहित करेगी। वहीं शनिवार को बरेली से आई रिपोर्ट में वन्यजीवों को दिए जाने वाले गोश्त में कोई संक्रमण नहीं मिला है।

शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणि उद्यान (चिड़ियाघर) में पिछले डेढ़ माह में चार वन्यजीवों की मौत हो चुकी है। इसमें बाघ केसरी, बाघिन शक्ति, भेड़िया भैरवी और तेंदुआ मोना शामिल है। शक्ति, भैरवी और मोना की मौत मई में हुई है। शक्ति और भैरवी का विसरा जांच के लिए राष्ट्रीय उच्च पशु संस्थान, भोपाल भेजा गया था।

दोनों के रिपोर्ट में बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई थी। इसके बाद से ही चिड़ियाघर को 20 मई तक के लिए बंद कर दिया गया है। सभी बाड़ों को सैनिटाइज किया जा रहा है। इस प्रदेश के चिड़ियाघरों से चिकित्सकों की टीम यहां आकर लौट चुकी है। अब केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण (सीजेडए), दिल्ली द्वारा गठित चिकित्सकों की टीम आ रही है।

इसमें डिपार्टमेंट आफ एनिमल हसबेंड्री, दिल्ली के ज्वाइंट डायरेक्टर डा. विजय कुमार तेवतिया, राष्ट्रीय उच्च पशु संस्थान, भोपाल से वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. मनोज कुमार, आइवीआरआइ, बरेली से वाइल्डलाइफ हेड डा. एम पावड़े और सीनियर पैथोलाजिस्ट डा. एम करिकलन शामिल हैं।

यह टीम रविवार को चिड़ियाघर पहुंचेगी। 19 और 20 मई को प्राणि उद्यान में वन्यजीवों की मौत के घटनाक्रम को जानेगी। चिड़ियाघर के उपनिदेशक डा. योगेश प्रताप सिंह ने बताया कि बर्ड फ्लू संक्रमण को देखते हुए वन्यजीवों को दिए जाने वाले गोश्त का नमूना आइवीआरआइ बरेली भेजा गया था। रिपोर्ट निगेटिव आई है।

कानपुर में डॉक्टरों के तबादलों में खेल की रिपोर्ट शासन को भेजी गई, सीएमओ से भी किया गया जवाब-तलब

कानपुर, एजेंसी। जिला कारागार के अस्पताल में तैनात तीन डॉक्टरों का 10 दिन के अंतराल में कई बार तबादला करने के प्रकरण को जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने इसकी प्राथमिक रिपोर्ट शासन को भेजकर कार्रवाई के लिए संस्तुति कर दी है। सीएमओ से जवाब-तलब का ब्योरा भी शासन भेजा जाएगा। अब स्वास्थ्य विभाग में खलबली मच गई है।

सीएमओ ने बीती 21 फरवरी से तीन मार्च के बीच जिला कारागार के अस्पताल में तैनात डा. प्रभाकर त्रिपाठी का तबादला सीएचसी चौबेपुर व डा. समीर नारायण सिंह को सीएचसी भीतरगांव भेजा था। इसके बाद इन्हीं का तीन मार्च तक अलग-अलग तबादला आदेश जारी हुआ। इसी तरह चौबेपुर के हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर से कम्युनिटी हेल्थ आफिसर का तबादला व निरस्तीकरण का मामला भी सामने आया।

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के प्रबंध निदेशक को भेजी प्राथमिक जांच रिपोर्ट में इतनी जल्दी-जल्दी किए गए तबादलों के साथ ही उससे होने वाली असुविधा का उल्लेख किया है। साथ में सीएमओ के इस रवैये पर आपत्ति जताई है।

वहीं, सीएमओ ने तबादलों को रुटीन प्रक्रिया बताया है। जिलाधिकारी का कहना है कि केवल 10 दिन में कई बार तबादले गंभीर विषय है। मामले पर पूरी निगाह है।

वाराणसी में लाखों की ठगी का मास्टरमाइंड पकड़ा गया, पुलिस ने 5 लाख बरामद किए

वाराणसी, एजेंसी। साइबर थाना की पुलिस को इंवेस्टमेंट में लाभ दिलाने के नाम पर साइबर ठगी करने वाले गैंग के सरगना रोमिल वर्मा पुत्र सुरेश वर्मा (निवासी, ग्राम-हाजीपुर, पोस्ट-बसारा, थाना-महुली, सीतापुर) को गिरफ्तार करने में सफलता हाथ लगी है। साइबर थाने की पुलिस ने गिरफ्तार किये गये साइबर ठग के पास से पांच लाख, एक हजार, 350 रुपये के साथ ही एक चार पहिया वाहन (सोनेट) बरामद किया है।

यह जानकारी पत्रकारों से बातचीत में डीसीपी वरूणा जोन प्रमोद कुमार ने दी। बताया कि अंशिता जैन पत्नी क्षितिज जैन (निवासी, स्वास्तिक पैराडाइज बिल्डिंग, सिगरा) ने 24 अप्रैल-2025 को साइबर थाने पर आवेदन देकर बताया कि उनके साथ इंवेस्टमेंट में भारी लाभ दिलाने के नाम पर करीब एक करोड़ 93 लाख की ठगी उनके साथ कर ली गई है।

पीड़िता के आवेदन को गंभीरता से लेते हुए साइबर थाने पर मुकदमा दर्ज कर इसकी जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल एवं डीसीपी क्राइम सरवणन टी के निर्देशन में इसका खुलासा करने के लिये अपर पुलिस उपायुक्त श्रुति श्रीवास्तव एवं सहायक पुलिस आयुक्त विजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया।

इसके बाद टीम ने लखनऊ में सूचनाओं के आधार पर अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी। काफी प्रयास के बाद शातिर साइबर अपराधी रोमिल वर्मा पुत्र सुरेश वर्मा को साइबर टीम ने लखनऊ के गुडम्बा क्षेत्र से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार बदमाश के पास से पुलिस ने पांच लाख से अधिक नगदी एवं एक चार पहिया वाहन भी बरामद किया है। बताया कि बदमाश को गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक विजय नारायण मिश्र, निरीक्षक राजकिशोर पांडेय, विपिन कुमार, उप निरीक्षक संजीव कन्नौजिया, सतीश सिंह समेत साइबर टीम में शामिल अन्य सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा है।

यूपी में मोबाइल फोन चोर गिरोह का पर्दाफाश, रेलवे स्टेशन पर करते थे शिकार, तीन नाबालिग समेत पांच गिरफ्तार

गोरखपुर, एजेंसी। रेलवे स्टेशन और उसके आसपास यात्रियों का सामान व मोबाइल फोन चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का जीआरपी गोरखपुर ने पर्दाफाश किया है। शनिवार को गेट नंबर एक के पास पीपल के पेड़ के नीचे से दो आरोपितों को पकड़ा गया। उनके कब्जे से 23 मोबाइल फोन, चार हजार रुपये नकद बरामद हुए।बरामद हुए फोन की अनुमानित कीमत 10 लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है।

सीओ जीआरपी विनोद सिंह ने शनिवार की दोपहर जीआरपी थाने में प्रेस वार्ता कर यह जानकारी दी।उन्होंने बताया कि प्रभारी निरीक्षक जीआरपी थाना विजय प्रताप सिंह की अगुवाई में यह कार्रवाई की गई। सर्विलांस सेल को सूचना मिली थी कि कुछ संदिग्ध युवक चोरी के मोबाइल बेचने की फिराक में स्टेशन के पास जमा हुए हैं। सूचना पर गठित टीम ने तत्काल घेराबंदी कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया।आरोपितों की पहचान झारखंड के साहबगंज जिले में तलझाड़ी थानाखेत्र स्थित नया टोला महराजपुर के प्रिंस कुमार, सुरेश कुमार महतो के रूप में हुई। इनके अलावा झारखंड,बिहार व चिलुआताल क्षेत्र के रहने वाले तीन नाबालिग भी पकड़े गए जिनसे यह चोरी कराते थे। आरोपितों ने पूछताछ में बताया कि वे ट्रेन, स्टेशन, बस स्टाप, सब्ज़ी मंडी और भीड़-भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों पर सक्रिय रहते थे। भीड़ का फायदा उठाकर बच्चों की मदद से झोले से यात्रियों के मोबाइल निकाल लेते थे। चोरी के मोबाइल फोन को सस्ते दामों पर झारखंड और पश्चिम बंगाल में खपाया जाता था। गिरोह ने गोरखपुर जिले में 150 से अधिक मोबाइल फोन चोरी करने की बात स्वीकार की है। दोपहर बाद नाबालिगों को बाल सुधार गृह और वयस्क आरोपितों को न्यायालय के आदेश पर जेल भेजा गया है। गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है।

यज्ञ के दौरान हुए विवाद में आठ पर मारपीट व लूट का मुकदमा दर्ज

गोरखपुर, एजेंसी। गौनर में चल रहे शतचंडी महायज्ञ के दौरान महिलाओं को परेशान करने पर हुए विवाद में रविवार को पुलिस ने आठ लोगों पर केस दर्ज किया। विद्या प्रकाश सिंह ने बताया कि केस दर्ज कराने के बाद से आरोपी नाराज चल रहे थे। इसके बाद अलग-अलग दिनों में हमला कर सन्नी सिंह, विशाल और आश्रम को पीटकर घायल कर दिए। इसमें विशाल व सन्नी का उपचार अस्पताल में चल रहा है। विद्या प्रकाश सिंह ने पुलिस को बताया कि गांव में 28 अप्रैल से लेकर छह मई तक शतचंडी महायज्ञ का आयोजन था। तीन मई को गांव का राजमहल कुछ युवकों के साथ आया और महिलाओं को परेशान करने लगा। मना करने पर विवाद करते हुए मारने पीटने लगा। शोर सुनकर गांव के विशाल मौके पर आए तो आरोपियों ने उसे पीटकर घायल कर दिया। केस दर्ज कराने पर आरोपी नाराज हो गया और गांव के राहुल को पीट दिया। अगले दिन चार मई को राजमहल अपने साथियों के साथ मिलकर आश्रम को पीटा। गांव के लोग उलाहना लेकर आरोपी के घर गए तो वह नहीं मिला। इसके बाद राजमहल घर आया और बघाड़ निवासी राज मोदनवाल, अंबरीश, विक्रम पासी, विशाल, बब्लू, रिशु व राज पासवान के साथ आया और बेटा सन्नी सिंह पर हमला कर दिया। उसकी जेब से मोबाइल व रुपए लेकर फरार हो गए। सीओ चौरी चौरा अनुराग सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। साक्ष्य के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

यूपी में फिर आएगा झमाझम बारिश का दौर! 34 जिलों में बिजली चमकने के साथ आंधी-पानी का अलर्ट

लखनऊ, एजेंसी। पूर्वी व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 34 जिलों में सोमवार को गरज-चमक के साथ वज्रपात की आशंका है। इन जिलों में झोंकेदार हवाओं के साथ बारिश की भी संभावना है। मंगलवार तक ऐसा ही मौसम रहने का आसार है। मौसम विज्ञानी डा. अतुल कुमार सिंह ने बताया कि दो-तीन दिनों तक कई जिलों में 40 से 50 किमी प्रति घंटे की गति से हवाएं चल सकती हैं। गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, गोरखपुर, बस्ती, कुशीनगर, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली आदि जिलों में सोमवार व मंगलवार को मेघगर्जन के साथ वज्रपात के आसार हैं। वहीं, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, गोरखपुर आदि जिलों में तेज झोंकेदार हवाएं चलेंगी। 21 मई को भी पूर्वी व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में वज्रपात की आशंका के साथ बारिश व झोंकेदार हवाएं चलने की संभावना है। मौसम परिवर्तित होने से रविवार को धूप थोड़ी कम रही। रविवार को प्रदेश में बांदा फिर सबसे गर्म रहा। यहां का अधिकतम तापमान 46.4 डिग्री सेल्सियस रहा।

दो दिन में पैडलेगंज-फिराक चौराहा फोरलेन का निर्माण पूरा करने का आदेश, कमिश्नर ने दिए सख्त निर्देश

गोरखपुर, एजेंसी। कमिश्नर अनिल ढींगरा ने कार्यदायी संस्था लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि दो दिन में पैडलेगंज- छात्रसंघ चौराहा होते हुए फिराक गोरखपुरी चौराहा तक निर्माणाधीन फोरलेन के बचे हुए सभी कार्य दो दिन में पूरे कर लिए जाएं। इस फोरलेन मार्ग का जल्द ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों लोकार्पण की तैयारी है। कमिश्नर ने शनिवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए गोरखपुर में चल रही विकास परियोजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने गोरखनाथ ओवरब्रिज, बरगदवां से भगवानपुर नकहा ओवरब्रिज, खजांची चौराहा, हार्बर्ट बांध, विरासत गलियारा, असुरन पिपराइच मार्ग सहित सभी विकास परियोजनाओं की प्रगति पूछने के साथ ही इनके निर्माण में तेजी लाने का निर्देश दिया।

समीक्षा के दौरान सड़क से जुड़ी कुछ परियोजनाओं की धीमी प्रगति की वजह पेड़ों का समय से पातन नहीं हो पाना बताया गया। इसपर कमिश्नर ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए वन निगम के अधिकारियों को पेड़ों के पातन कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया।

निर्धारित समय से एक माह देर से चल रहे गोरखनाथ ओवरब्रिज की सुस्त रफ्तार पर भी कमिश्नर ने नाराजगी व्यक्त की। निर्देश दिया कि श्रमिकों और जरूरी संसाधनों को बढ़ाकर हर हाल में जून तक रेल लाइन के ऊपर बचे ओवरब्रिज का निर्माण कार्य पूरा करने के साथ ही अन्य कार्य भी पूरे कर लिए जाएं।

IPL 2025 में जमकर चला गिल का बल्ला, विराट कोहली का तोड़ दिया ये बड़ा रिकॉर्ड

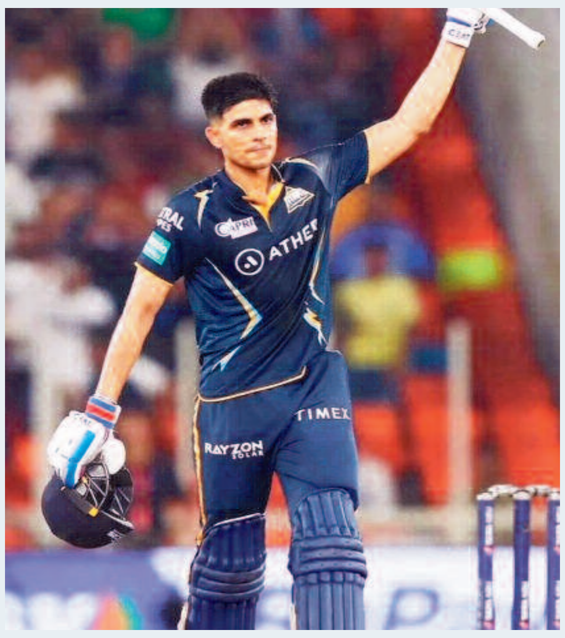

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 के 60वें मुकाबले में गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ धमाकेदार प्रदर्शन कर क्रिकेट जगत में तहलका मचा दिया। गिल ने 53 गेंदों में नाबाद 93 रनों की शानदार पारी खेलकर न केवल अपनी टीम को 10 विकेट से शानदार जीत दिलाई, बल्कि टी 20 क्रिकेट में एक बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। इस पारी के साथ गिल ने दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली को पीछे छोड़ते हुए टी 20 क्रिकेट में सबसे तेज 5000 रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की सूची में दूसरा स्थान हासिल किया।

गिल ने कोहली को छोड़ा पीछे

शुभमन गिल ने टी-20 क्रिकेट में 5000 रन सिर्फ 154 पारियों में पूरे किए, जबकि विराट कोहली को इस मुकाम तक पहुंचने में 167 पारियां लगी थीं। गिल अब भारत के लिए ञ्20 में सबसे तेज 5000 रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में केएल राहुल (143 पारियां) के बाद दूसरे नंबर पर हैं। भारतीय बल्लेबाजों में सुरेश रैना (173 पारियां) इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं।

टी-20 में सबसे तेज 5000 रन बनाने वाले बल्लेबाज
क्रिस गेल- 132 पारियां
केएल राहुल- 143 पारियां
शॉन माश- 144 पारियां
डेवोन कॉनवे- 144 पारियां
बाबर आजम- 145 पारियां
शुभमन गिल- 154 पारियां

वैश्विक स्तर पर गिल टी-20 क्रिकेट में सबसे तेज 5000 रन बनाने वाले छठे बल्लेबाज बने हैं। वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल 132 पारियों के साथ इस सूची में शीर्ष पर हैं।

दिल्ली के खिलाफ गिल का जलवा

मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए केएल राहुल के शानदार शतक की बदौलत 20 ओवर में 3 विकेट पर 199 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया। जवाब में गुजरात टाइटंस की ओर से शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। सुदर्शन ने 108 रनों की नाबाद पारी खेली, जबकि गिल ने 93 रन बनाए। दोनों ने मिलकर बिना कोई विकेट गंवाए लक्ष्य को हासिल कर लिया और गुजरात को 10 विकेट से ऐतिहासिक जीत दिलाई। इस जीत के साथ गुजरात टाइटंस ने आईपीए 2025 के प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर ली।

क्यों हैं गिल कोहली के उत्तराधिकारी?

शुभमन गिल को लंबे समय से विराट कोहली का उत्तराधिकारी माना जा रहा है। उनकी तकनीक, दबाव में शांत रहने की क्षमता और लगातार रन बनाने की काबिलियत उन्हें खास बनाती है। इस रिकॉर्ड-तोड़ प्रदर्शन ने एक बार फिर साबित कर दिया कि गिल न केवल मौजूदा दौर के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक हैं, बल्कि भविष्य में भारतीय क्रिकेट के बड़े सितारे बनने की पूरी क्षमता रखते हैं।

केएल राहुल लोगों की अपेक्षा कहीं बेहतर खिलाड़ी हैंःमूडी

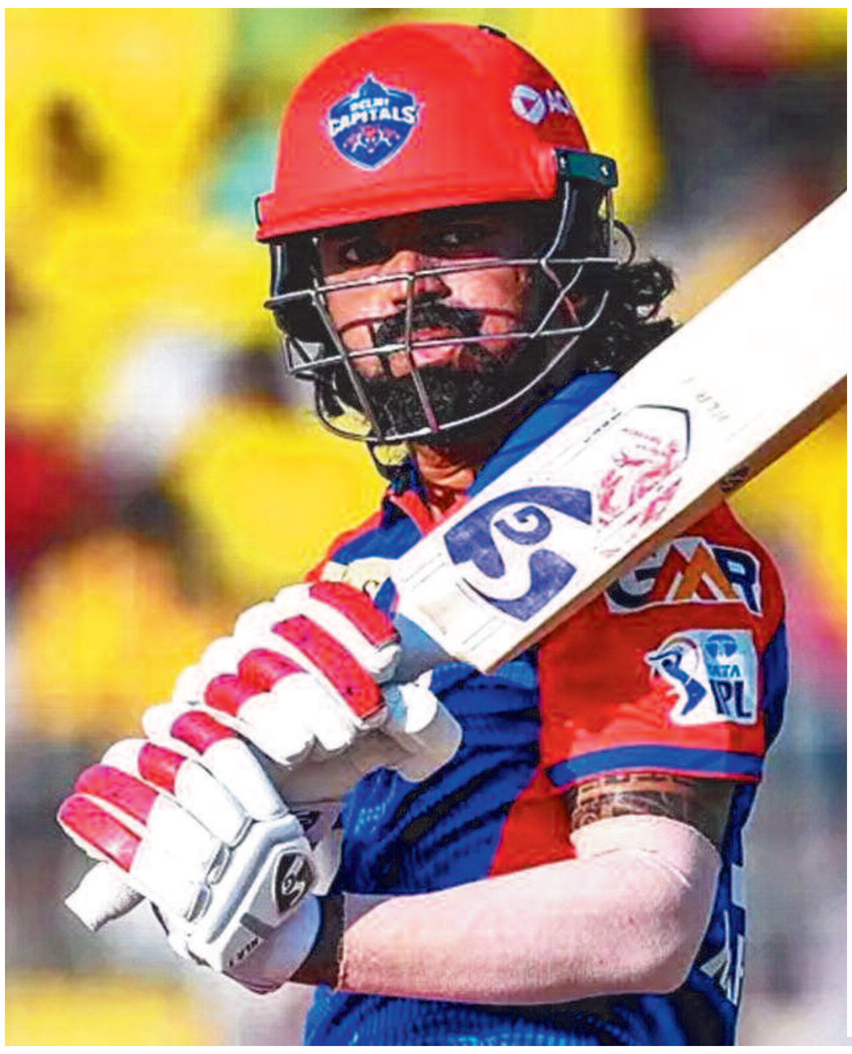

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज टॉम मूडी ने कहा कि विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल को उनकी वास्तविक क्षमता का पूरा श्रेय नहीं दिया गया है। उन्होंने रविवार को गुजरात टाइटन्स के खिलाफ नाबाद 112 रनों की पारी खेलकर दिल्ली कैपिटल्स को बल्लेबाजी क्रम के पतन से बचाया था। दिल्ली की शुरुआत खराब रही और पहले पांच ओवरों में 1 विकेट पर 28 रन ही बना सकी। लेकिन राहुल की शानदार बल्लेबाजी ने उन्हें लगभग 200 रन के आंकड़े तक पहुंचा दिया। हालांकि साई सुदर्शन (नाबाद 108) और शुभमन गिल (नाबाद 93) ने आसानी से लक्ष्य हासिल कर गुजरात टाइटन्स के लिए प्लेऑफ में जगह पक्की कर ली। राहुल ने 60 गेंदों में अपना शतक पूरा किया और 172.30 के स्ट्राइक रेट से 112 रन बनाकर नाबाद रहे। आईपीएल 2025 में वह 148.04 की स्ट्राइक रेट से 12 पारियों में 493 रन बना चुके हैं। आईपीएल 2018 के बाद से यह उनका सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइक रेट है, जब उन्होंने 14 मैचों में 158.41 की दर से 659 रन बनाए थे। मूडी ने पर कहा, मुझे हमेशा केएल राहुल के बारे में आलोचना काफी असाधारण लगती है। मुझे लगता है कि वह बहुत से लोगों की तुलना में बहुत बेहतर खिलाड़ी हैं। और जिस तरह से मैं इस पारी को देखता हूं, मुझे लगता है कि यह एक शानदार पारी है। उन्होंने कहा, और हां, देखिए यह इस बात पर निर्भर करेगा कि कौन मैच जीतता है, आप जानते हैं, वह प्लेयर ऑफ द मैच है या नहीं। लेकिन जिस तरह से मैं इसे और बैटिंग कार्ड को देखता हूं, जो उन्हें निराश करता है और 220 तक नहीं पहुंच पाते है, वह है अन्य बल्लेबाज जो केवल 150 पर ही आउट हो गए। (बल्लेबाज़ी के अनुकूल) सतह पर, आप प्रभाव चाहते हैं।

उन्होंने कहा, जब आपके पास कोई ऐसा खिलाड़ी होता है जो एंकरिंग करता है, जो कुल स्कोर बनाता है, तो जब आप आते हैं तो आपकी भूमिका खेल को प्रभावित करना होती है, दस गेंदों पर 30 रन, उस तरह की पारी, जो आपको अचानक 220 तक ले जाती है। एक ही व्यक्ति पर उंगली उठाने के बजाय, मुझे लगता है कि यह इसके विपरीत है। दस ओवर के निशान तक दिल्ली कैपिटल्स 1 विकेट पर 81 रन बना चुकी थी, जिसमें राहुल ने 38 गेंदों पर 56 रन बनाए। हालांकि 15वें और 18वें ओवर के बीच राहुल ने केवल छह गेंदों का सामना किया, जबकि अक्षर पटेल और ट्रिस्टन स्टब्स ने अधिकांश गेंदें खेली। मूडी के अनुसार, इस बदलाव ने कुछ हद तक राहुल की गति को बाधित किया। मूडी ने कहा, टीम के पास 220 तक पहुंचने का अवसर था। टीम ने ऐसा नहीं किया। यह कोई व्यक्तिगत खेल नहीं है। यह एक टीम खेल है। और यहीं पर यह संवाद होता है कि कौन आ रहा है और जब आप मैदान पर होते हैं तो संवाद होता है - ठीक है, हमें इस ओवर की शुरुआत में दो बाउंड्री लगाने का लक्ष्य रखना है; चलो इसे एक बड़ा ओवर बनाते हैं। मूडी ने आगे कहा, मेरे हिसाब से, वे उस बीच (अवधि में) थोड़ा निष्क्रिय रहे।

श्रेयस अय्यर ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली पंजाब किंग्स टीम आईपीएल 2025 प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर चुकी है. अय्यर ने पिछले साल अपनी कप्तानी में केकेआर को चैंपियन बनाया था, इस बार वह पंजाब किंग्स की कमान संभाले हुए हैं. इस बार टीम को उम्मीद है कि वे अपना पहला खिताब जीत सकते हैं.

श्रेयस अय्यर ऐसा करने वाले पहले कप्तान बने

पंजाब किंग्स ने रविवार को अपने लीग स्टेज का 12वां मैच राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेला. पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब ने 219 रन बनाए, जवाब में राजस्थान 209 रन ही बना पाई. पंजाब ने 10 रनों से मुकाबले को जीत लिया. रविवार को ही हुए दूसरे मैच में गुजरात टाइटंस ने दिल्ली को 10 विकेट से हराया, इसके बाद गुजरात के साथ पंजाब और बेंगलूरु का प्लेऑफ टिकट भी कंफर्म हो गया. श्रेयस अय्यर आईपीएल इतिहास के पहले कप्तान

बन गए हैं, जिन्होंने अपनी कप्तानी में 3 अलग-अलग टीमों को प्लेऑफ में पहुंचाया है. पिछले साल उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स को चैंपियन बनाया. इससे पहले अय्यर ने दिल्ली कैपिटल्स को फाइनल तक पहुंचाया था. रविवार को हुए मैच से पहले श्रेयस अय्यर की उंगली में चोट लग गई थी, इस कारण वह फील्डिंग नहीं कर पाए थे. हालांकि उन्होंने बल्लेबाजी करते हुए 30 रन बनाए थे. उम्मीद है कि वह प्लेऑफ के मैचों तक पूरी तरह फिट हो जाएंगे, वैसे अभी टीम को लीग स्टेज के 2 मैच और खेलने हैं. पंजाब किंग्स इस बार शानदार नजर आ रही है, उसने कई करीबी मैच जीते हैं. इसको लेकर पंजाब किंग्स की मालकिन प्रीती जिंटा भी काफी खुश हैं, वह बोल चुकी हैं कि पहले हम जीते हुए मैच हार जाया करते थे लेकिन इस बार हम हारे हुए मैच जीत रहे हैं.

पंजाब किंग्स की निगाहें अब टॉप 2 पर

अब श्रेयस अय्यर एंड टीम की नजर टॉप 2 पर आने की होगी, क्योंकि उन 2 टीमों को फाइनल खेलने के 2 मौके मिलते हैं जबकि इसके उलट अन्य 2 टीमों को फाइनल में जाने के लिए 2 लगातार मैच जीतने होते हैं. पंजाब के अभी 12 मैचों के बाद 17 अंक हैं, उसका नेट रन रेट 0.389 का है. अगले 2 मैच उसके दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के विरुद्ध है.

योगी आदित्यनाथ के साथ काम करेंगे टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी वैसे तो इन दिनों आईपीएल खेलने में बिजी हैं. लेकिन, इस बीच उन्हें लेकर एक बड़ी खबर आ रही है. ये खबर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ उनके काम करने को लेकर जुड़ी है. दाएं हाथ के अनुभवी भारतीय गेंदबाज ने खुद इसकी जानकारी सोशल मीडिया के जरिए दी है. शमी ने

अपने इंस्टाग्राम पर बताया कि वो उत्तर प्रदेश के आगे ले जाने की मुहिम का हिस्सा बनने को लेकर बेहद उत्साहित हैं. अब सवाल है कि CM योगी आदित्यनाथ का काम क्या है, जिसमें मोहम्मद शमी उनका साथ देने और हाथ बंटाने को लेकर उत्साहित हैं. शमी के इंस्टा पोस्ट से जो पता चलता है, उसके मुताबिक उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री का जोर एक बेहतर समाज के निर्माण पर है. उन्होंने हर स्तर पर विकास और प्रगति की इच्छा जाहिर की है. CM योगी आदित्यनाथ की उसी मुहिम का हिस्सा अब मोहम्मद शमी भी बनना चाहते हैं. शमी ने कहा हम एक होकर काम करेंगे तो सपनों को साकार कर सकते हैं. मोहम्मद शमी से छ्रूयोगी ने ये बातें तब शेयर की, जब वो उनसे मिलने पहुंचे थे. फिलहाल, तो मोहम्मद शमी आईपीएल 2025 में खेल रहे हैं, जहां वो सनराइजर्स हैदराबाद का हिस्सा हैं. मोहम्मद शमी और उनकी नई टीम सनराइजर्स, दोनों के लिए ये सीजन उतना अच्छा रहा नहीं. शमी ने इस सीजन अब तक खेले 9 मैचों में सिर्फ 6 विकेट हासिल किए हैं.

भारत को हराने के लिए इस अंग्रेज ने दारू से कर ली तौबा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के खिलाफ सीरीज जीतने के लिए इंग्लैंड टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने कड़ी मशक्कत शुरू कर दी है। इसके लिए वह स्वःनियंत्रण पर भी काम कर रहे हैं। इस क्रम में उन्होंने दारू से तौबा कर लिया है।

दअसल, बेन स्टोक्स ने भारत के खिलाफ सीरीज और एशेज के लिए फिट रहने के लिए फिटनेस के रास्ते पर चलना शुरू किया है। इसकी शुरुआत उन्होंने शराब से दूरी बनाकर की है। चोट के कारण बेन स्टोक्स को छोड़ने पड़े हैं कई मुकाबले बेन स्टोक्स ने 'शराब छोड़ दी' ताकि वह इंग्लैंड से खेलने के लिए पूरी तरह से फिट हो सकें। बेन स्टोक्स को लगता है कि पिछली चोटों में उस रात की बड़ी भूमिका हो सकती है, जब उन्होंने साथियों के साथ शराब पी थी। इंग्लैंड के ऑलराउंडर ने दिसंबर 2024 में हैमस्ट्रिंग की सर्जरी कराई थी। अगस्त में 'द हंड्रेड' के दौरान भी उन्हें चोट लगी थी। इस कारण उन्हें श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट से बाहर होना पड़ा।

बाद में पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज के लिए भी वह पूरी तरह से फिट नहीं थे। हैमिल्टन में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट के दौरान उनकी चोट फिर से उभर आई।

बेन स्टोक्स ने 2 जनवरी से नहीं पी शराब

इंग्लैंड का घरेलू सत्र जिम्बाब्वे के खिलाफ एकमात्र टेस्ट से शुरू होगा। इसके बाद भारत के खिलाफ पांच टेस्ट की एक कठिन सीरीज होनी है। इंग्लैंड के घरेलू सत्र का समापन 6 महीने बाद एशेज सीरीज के साथ होता है। बेन स्टोक्स के हवाले से लिखा है कि उन्होंने 2 जनवरी से शराब नहीं पी है.

आईपीएल में सबसे लंबे खिलाड़ी की एंट्री

प्लेऑफ में पहुंचते ही आरसीबी ने चला मास्टरस्ट्रोक, बाबर आजम को 5 बार किया है आउट

नई दिल्ली, एजेंसी। लो भइया आईपीएल 2025 के प्लेऑफ में पहुंचे नहीं कि आरसीबी ने चल दिया मास्टर स्ट्रोक. टीम में ले आया उस खिलाड़ी को, जिसकी गिनती दुनिया के सबसे लंबे खिलाड़ियों में होती है. और, जिसका नाम है ब्लेसिंग मुजरबानी. 28 साल के मुजरबानी, जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज हैं और आरसीबी की ओर से आईपीएल 2025 का प्लेऑफ खेलने आए हैं.

आरसीबी ने उन्हें लुंगी एन्गिडी के रिप्लेसमेंट के तौर पर लिया है. ब्लेसिंग मुजरबानी की हाईट 6 फीट 8 इंच बताई जाती है. अब इस हिसाब से ये भी उतने ही लंबे हुए जितने कि मार्को यानसन. उनकी भी लंबाई 6 फीट 8 इंच है. इस तरह से ये दोनों मौजूदा क्रिकेट के दो सबसे लंबे खिलाड़ी हैं. आरसीबी में जिनकी एंट्री है वो ब्लेसिंग मुजरबानी हैं. यानी वो तेज गेंदबाज जिनके आगे क्रिकेट की पिच पर पाकिस्तान के सबसे बड़े बल्लेबाज बाबर आजम के भी पांव

कांपते हैं.

लुंगी एन्गिडी को रिप्लेस करेंगे मुजरबानी

खैर, मुजरबानी और बाबर आजम का किस्सा हम बताएंगे. पहले जरा ये जान लीजिए कि उन्होंने लुंगी एन्गिडी को रिप्लेस क्यों किया?ऐसा इसलिए क्योंकि डब्ल्यूटीसी फाइनल को देखते हुए साउथ अफ्रीका ने अपने सभी खिलाड़ियों को 26 मई तक आईपीएल से वापस बुलाया है. लुंगी एन्गिडी भी साउथ अफ्रीका के प्रमुख गेंदबाज हैं, जो कि डब्ल्यूटीसी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उस टीम का अहम चेहरा होंगे. हालांकि लुंगी एन्गिडी आरसीबी के लिए उसका अगला मैच खेलेंगे, जो कि 23 मैच को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ बेंगलुरु में है. मतलब ये कि मुजरबानी अगले मैच में आरसीबी के लिए खेलते नहीं दिखेंगे. मगर उसके आगे आखिरी ग्रुप स्टेज मैच और फिर प्लेऑफ में मुजरबानी का फायदा उठा सकती है.

आइए अब आपको बताते हैं कि 6 फीट 8 इंच लंबे ब्लेसिंग मुजरबानी के आगे पाकिस्तान के सबसे बड़े बल्लेबाज बाबर आजम के पांव कैसे कांपते हैं. अभी तक मुजरबानी इंटरनेशनल क्रिकेट में बाबर को 5 बार आउट कर चुके है, जो कि उनके हावी होने का सबसे बड़ा सबूत है. इस दौरान बाबर आजम ने उनके खिलाफ 105 गेंदों में 106 रन 21. 20 की बेहद मामूली औसत से बनाए हैं.

इंग्लैंड दौरे से पहले सख्त डाइट और ट्रेनिंग पर सरफराज खान, वजन में की भारी कटौती

नई दिल्ली, एजेंसी। अगले महीने होने वाले इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय बल्लेबाज सरफराज खान ने खूब पसीना बहा रहे हैं और जमकर मेहनत कर रहे हैं। सरफराज फिट होने की राह पर हैं और सख्त डाइट प्लान के जरिए उन्होंने 10 किलो वजन भी घटाया है। एक रिपोर्ट में इस बात की जानकारी साझा की गई है। पिछले साल 2024 में भारत के लिए पदार्पण करने वाले सरफराज ने एक भी विदेशी टेस्ट मैच नहीं खेला है। बल्लेबाज को इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो मैचों के लिए इंडिया ए टीम में चुना गया है। इस बार उन्हें भी टीम में मौका मिले इसके लिए वह अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं क्योंकि यही एक चीज में जिसे लेकर उन्हें अकसर आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है। भारत ए को इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो मैच (30 मई-2 जून को कैंटरबरी में और 6-9 जून को नॉर्थम्प्टन में) और सीनियर इंडिया टेस्ट टीम के खिलाफ एक इंट्रा-स्क्वाड मैच (13-16 जून को बेकेनहैम में) खेलना है।

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच BCCI ने PCB को दिया बड़ा झटका

एशिया कप खेलने से किया इनकार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव के बाद, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने एशियाई क्रिकेट परिषद के सभी आयोजनों से फिलहाल दूरी बनाने का फैसला किया है।

सूचित किया है कि वह अगले महीने श्रीलंका में होने वाले वुमेंस इमर्जिंग टीमें एशिया कप और सितंबर में होने वाले पुरुष एशिया कप से हट रहा है। इससे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को आर्थिक नुकसान हो सकता है। वर्तमान में ACC का नेतृत्व पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी कर रहे हैं, जो पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष भी हैं। सूत्रों के अनुसार, यह निर्णय पाकिस्तान क्रिकेट को अलग-थलग करने की रणनीति का हिस्सा है।

भारतीय टीम उस टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले सकती, जिसका

आयोजन एसीसी कर रही हो और जिसका प्रमुख एक पाकिस्तानी मंत्री हो। यह देश की भावना है। हमने एसीसी को मौखिक रूप से वुमेंस इमर्जिंग टीमें एशिया कप से हटने की जानकारी दे दी है, और भविष्य में उनके आयोजनों में हमारी भागीदारी भी फिलहाल रुकी हुई है। हम भारतीय सरकार के साथ लगातार संपर्क में हैं।

क्या नहीं होगा एशिया कप का आयोजन?

इस रुख से सितंबर में भारत में होने वाले पुरुष एशिया कप पर सवालिया निशान लग गया है। इस टूर्नामेंट में भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और श्रीलंका की टीमें हिस्सा लेने वाली थीं, लेकिन अब इसे स्थगित किए जाने की संभावना है।

सूत्रों का कहना है कि बीसीसीआई को पता है कि भारत के बिना एशिया कप का आयोजन व्यवहारिक नहीं है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट आयोजनों के अधिकांश प्रायोजक भारत से हैं। इसके अलावा, भारत-पाकिस्तान मुकाबले के बिना एशिया कप प्रसारकों के लिए आकर्षक नहीं होगा, जो इस टूर्नामेंट की वित्तीय सफलता का प्रमुख हिस्सा है।

2024 में एशिया कप के प्रसारण अधिकार सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया ने अगले आठ वर्षों के लिए 170 मिलियन अमेरिकी डॉलर में हासिल किए थे। यदि इस बार टूर्नामेंट नहीं होता, तो इस सौदे पर पुनर्विचार करना पड़ सकता है।

CC के पांच पूर्ण सदस्य- भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका और अफगानिस्तान को प्रसारण राजस्व का 15 प्रतिशत हिस्सा मिलता है, जबकि बाकी राशि सहयोगी और संबद्ध सदस्यों में वितरित की जाती है।

हर मोर्चे पर फिसड्डी साबित हुआ है पाकिस्तान

पिछले साल 2023 में भी एशिया कप भारत–पाकिस्तान स्थिति से प्रभावित हुआ था। पाकिस्तान द्वारा आयोजित इस टूर्नामेंट में भारत ने सीमा पार करने से इनकार कर दिया था। बीसीसीआई ने सुनिश्चित किया कि भारत अपने मैच श्रीलंका में खेले। पीसीबी के लिए यह आयोजन निराशाजनक रहा, क्योंकि पाकिस्तान फाइनल में नहीं पहुंच सका और भारत ने कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफ खिताबी मुकाबला जीता।